R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 132
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 19 जनवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 कोहरे में खड़े ट्रक से टकराया ट्रक, चालक गंभीर
5 स्वास्थ्य अनमोल धन है-इश्तियाक अहमद
7 'मेरी छोटी नूप्स अब पराई हो गई', बहन नूपुर ...

आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को मौनी अमावस्या की बधाई दी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मौनी अमावस्या के पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए नव उत्साह और नव उमंग के संचार की कामना की है। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''दान, व्रत और त्याग की प्रेरणा देने वाले आस्था के महापर्व मौनी अमावस्या की सभी श्रद्धालुओं और प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई।''

उन्होंने मौनी अमावस्या पर संगम स्नान के लिए आए ''अखाड़ों, धर्माचार्यों, संतों, साधकों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं का अभिनंदन'' करते हुए कहा, ''मोक्षदायिनी मां गंगा और सूर्यदेव की कृपा से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों, जीवन में नव ऊर्जा, नव उत्साह और नव उमंग का संचार हो, यही कामना है।

आरएसएस मोहन भागवत का बड़ा बयान, कहा अगले 10 से 12 सालों में खत्म हो सकता है जातिवाद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने समाज में गहराई तक बैठी जातिवाद की समस्या पर कड़ा प्रहार किया है। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित एक जन संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि समाज ईमानदारी से प्रयास करे, तो अगले एक दशक के भीतर भारत से जातिगत भेदभाव को पूरी तरह मिटाया जा सकता है।

भागवत ने जाति प्रथा के ऐतिहासिक पक्ष को स्पष्ट करते हुए कहा कि प्राचीन काल में जाति का संबंध केवल पेशे और काम से था।

समय के साथ यह व्यवस्था जटिल होती गई और इसने भेदभाव का रूप ले लिया, जो आज समाज के लिए एक चुनौती बन गई है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'जाति को खत्म करने के लिए सबसे पहले उसे अपने मन से बाहर निकालना होगा। जब तक हम मानसिक रूप से जातियों में बँटे रहेंगे, भेदभाव बना रहेगा।'

सवालों का जवाब देते हुए संघ प्रमुख ने स्पष्ट किया कि आरएसएस का उद्देश्य स्वयं को शक्तिशाली बनाना नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र को उसके सर्वोत्तम गौरव तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा, 'संघ किसी से प्रतिस्पर्धा नहीं करता, यह समाज को एकजुट और बड़ा बनाने के लिए समर्पित है।' उन्होंने लोगों को आमंत्रित किया कि संघ की कार्यप्रणाली को समझने के लिए उन्हें शाखाओं में व्यक्तिगत रूप से आना चाहिए।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी के घर से लाखों की नकदी गायब, आरोपी निकला पुराना कर्मचारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की उत्तर-पूर्वी लोकसभा सीट से भाजपा सांसद और प्रसिद्ध गायक मनोज तिवारी के मुंबई स्थित घर में चोरी का मामला सामने आया है। अंधेरी पश्चिम के शास्त्रीनगर इलाके में स्थित सुंदरबन अपार्टमेंट में उनके आवास से कुल 5.40 लाख रुपये नकद चोरी किए गए। इस चोरी में किसी बाहरी व्यक्ति का हाथ नहीं, बल्कि उनके खुद के पूर्व कर्मचारी का हाथ है।

इस संबंध में मनोज तिवारी के लंबे समय से मैनेजर रहे प्रमोद जोगेंदर पांडेय ने अंबोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान सुरेंद्रकुमार दीनानाथ शर्मा के रूप में हुई है, जिसे करीब दो साल पहले नौकरी से निकाल दिया गया था।

पुलिस के अनुसार, प्रमोद पांडेय पिछले करीब 20 वर्षों से मनोज तिवारी के साथ मैनेजर के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि घर के बेडरूम में रखी नकदी में से जून 2025 में अलमारी से 4.40 लाख रुपये गायब हो गए थे। उस समय चोरी करने वाले व्यक्ति का पता नहीं चल सका था।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए दिसंबर 2025 में घर के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। इसी दौरान 15 जनवरी 2026 की रात करीब 9 बजे सीसीटीवी अलर्ट मिला, जिसमें पूर्व कर्मचारी सुरेंद्रकुमार शर्मा को घर में चोरी करते हुए देखा गया। फुटेज से यह भी सामने आया कि आरोपी के पास घर, बेडरूम और अलमारी खोलने की बनावटी चाबियां थीं, जिनकी मदद से वह आसानी से अंदर प्रवेश कर रहा था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने उस रात करीब एक लाख रुपये की नकदी चोरी की थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी से पूछताछ की गई, जिसमें उसने चोरी की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। अंबोली पुलिस ने मामले से जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज जब्त कर लिए हैं और आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पीएम मोदी ने दो अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, काजीरंगा कॉरिडोर की नींव रखी

नागांव **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों, गुवाहाटी (कामाख्या)-रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस और डिब्रूगढ़-लखनऊ (गोमती नगर) अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इसी के साथ आसाम के नागांव जिले के कालियाबोर में नेशनल हाईवे 715 के कालियाबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन को 4-लेन करने वाले काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर प्रोजेक्ट की भी नींव रखी। इस प्रोजेक्ट की कीमत 6, 950 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

86 किलोमीटर लंबा काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर प्रोजेक्ट पर्यावरण का ध्यान रखने वाला एक नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट है। इसमें 35 किलोमीटर का एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर होगा जो काजीरंगा नेशनल पार्क से होकर गुजरेगा, 21 किलोमीटर का बाईपास सेक्शन होगा, और मौजूदा एनएच-715 हाईवे सेक्शन को 30 किलोमीटर चौड़ा करके दो से चार लेन किया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट का मकसद पार्क की रिच बायोडायवर्सिटी की सुरक्षा पक्का करते हुए रीजनल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। यह प्रोजेक्ट नागांव, कार्बी आंगलोंग और गोलाघाट जिलों से गुजरेगा और इससे अपर असम, खासकर डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया से कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा। एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर जानवरों की बिना रुकावट आवाजाही पक्का करेगा और इंसान-वाइल्डलाइफ टकराव को कम करेगा। इससे रोड सेफ्टी भी बढ़ेगी, ट्रैवल टाइम और एक्सीडेंट रेट कम होंगे, और बढ़ते पैसेंजर और माल ढुलाई ट्रैफिक को सपोर्ट मिलेगा।

प्रोजेक्ट के हिस्से के तौर पर, जाखलाबंधा और बोकाखाट में बाईपास बनाए जाएंगे, जिससे कस्बों में भीड़ कम करने, शहरी मोबिलिटी में सुधार करने और स्थानीय लोगों के जीवन की क्वालिटी को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर प्रोजेक्ट के मॉडल का भी रिव्यू किया। इससे पहले दिन में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं, जो प्रधानमंत्री के लिए जनता के जबरदस्त उत्साह को दिखाता है।

इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा, 'असम के सामने आज एक बड़ी चुनौती है। यह असम की पहचान और संस्कृति को बचाने की चुनौती है। जिस तरह से असम में बीजेपी सरकार घुसपैठ से निपट रही है, उसकी तारीफ हो रही है। यही नहीं हमारे जंगलों को बचा रही है, हमारे धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक ढांचों को बचा रही है, और उन्हें कब्जे से आजाद करा रही है।' उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोला।कहा, 'सिर्फ सरकार बनाने और कुछ वोट जीतने के लिए, उन्होंने आपकी जमीन घुसपैठियों को दे दी। घुसपैठिए असम के साथ-साथ देश के लिए भी बहुत बड़ा खतरा हैं। आपको कांग्रेस से सावधान रहने की ज़रूरत है।'

रहमान की चिंताओं पर जावेद अख्तर की टिप्पणी मुस्लिमों की वास्तविकता से मेल नहीं खाती : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर **(एजेंसी)**। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर बॉलीवुड के कथित सांप्रदायिकरण को लेकर संगीतकार ए आर रहमान की चिंताओं को खारिज करके भारतीय मुसलमानों की वास्तविकताओं का खंडन कर रहे हैं।

मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जब जावेद अख्तर बॉलीवुड में बढ़ते सांप्रदायिकरण को लेकर ए आर रहमान की चिंताओं को खारिज करते हैं, तो वह भारतीय मुसलमानों के वास्तविक अनुभवों का खंडन करते हैं, जिसमें उनकी पत्नी शबाना आज़मी के अनुभव भी शामिल हैं, जिन्होंने खुले तौर पर यह कहा है कि उन्हें बंबई जैसे महानगर में सिर्फ़ मुसलमान होने की वजह से मकान किराए पर देने से इनकार कर दिया गया था।''

मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, अख्तर ने कहा कि रहमान को बॉलीवुड में काम के कम अवसर मिलने में कोई सांप्रदायिक तत्व शामिल नहीं है। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''बॉलीवुड हमेशा से देश की सामाजिक सच्चाइयों को प्रतिबिंबित करता हुआ एक जीवंत 'मिनी-इंडिया' रहा है। ऐसे अनुभवों को नजरअंदाज कर देने से आज के भारत की सच्चाई नहीं बदल जाती।

कश्मीर में ठंड और बढ़ी, मौसम विभाग ने बारिश एवं बर्फबारी का जताया अनुमान

जम्मू **(एजेंसी)**। कश्मीर में न्यूनतम तापमान में गिरावट के साथ ठंड का प्रकोप और बढ़ गया है तथा घाटी में सोनमर्ग सबसे ठंडा स्थान रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में विशेषकर घाटी के ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश एवं बर्फबारी होने का अनुमान जताया है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 8.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

गांदरबल में शुक्रवार को मध्यम बर्फबारी हुई थी। दक्षिण कश्मीर के शोपियां में न्यूनतम तापमान शून्य से 6.7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से छह डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज हुआ। उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले में पर्यटन स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 5.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो इससे पिछली रात के शून्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस नीचे से कम है। घाटी के प्रवेश द्वार काजीगुंड कस्बे में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने कहा कि कोकेरनाग में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया और कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज हुआ।

कश्मीर घाटी में इस समय 'चिल्ला-ए-कलां' का दौर है, जो अत्यंत कड़ाके की सर्दियों की 40 दिन की अवधि होती है। इस दौरान रात का तापमान अक्सर हिमांक बिंदु से कई डिग्री सेल्सियस नीचे चला जाता है और बर्फबारी की संभावना सबसे अधिक रहती है। पिछले साल 21 दिसंबर को शुरू हुआ 'चिल्ला-ए-कलां' का दौर 30 जनवरी को समाप्त होगा। इसके बाद 'चिल्ला-ए-खुर्द' और 'चिल्ला-ए-बच्चा' का दौर होगा। मौसम विभाग ने कहा है कि लगातार पश्चिमी विक्षोभ कश्मीर को प्रभावित करेंगे, जिससे अगले कुछ दिनों में बारिश एवं बर्फबारी होने की संभावना है।

उसने कहा कि शनिवार और रविवार को ऊंचाई वाले अलग-अलग इलाकों में हल्की बर्फबारी संभव है, जबकि 19 और 20 जनवरी को हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। मौसम विभाग कार्यालय ने कहा कि 21 जनवरी को ऊंचाई वाले अलग-अलग इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है, जिसके बाद 25 जनवरी तक हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। चिनाब घाटी, पीर-पंजाल पर्वतमाला और दक्षिण कश्मीर के कुछ जिलों में 23 से 24 जनवरी में भारी बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

मौनी अमावस्या पर ज्योतिष्पीठ शंकराचार्य से दुर्व्यवहार निंदनीय

कांग्रेस सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर माघ मेले के दौरान ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार को लेकर कांग्रेस सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

अंकित सिंह यादव ने कहा कि सनातन धर्म के प्रतिष्ठित धर्मगुरुओं में से एक शंकराचार्य के साथ इस प्रकार का व्यवहार न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह प्रशासनिक लापरवाही और असंवेदनशीलता को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि माघ मेला जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक आयोजन में संत-महात्माओं का सम्मान और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, 'स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जैसे विद्वान और धर्माचार्य सनातन संस्कृति के संवाहक हैं। उनके साथ मौनी अमावस्या जैसे पवित्र पर्व पर दुर्व्यवहार होना अत्यंत निंदनीय है। यह घटना श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुँचाने वाली है।'

उन्होंने राज्य सरकार और मेला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जाँच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए ठोस व्यवस्था और संवेदनशील प्रशासनिक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।

अंकित सिंह यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसका सांस्कृतिक प्रकोष्ठ सदैव सनातन परंपराओं, संतों और धार्मिक संस्थानों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध रहा है और इस मुद्दे को लेकर पार्टी स्तर पर भी आवाज उठाई जाएगी।

भाजपा की रणनीति उन राज्यों में सहयोगियों को हाशिये पर डालने की है, जहां उसका बहुमत नहीं हैः कपिल सिब्बल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा कि जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में नहीं है या बहुमत में नहीं है, वहां उसकी रणनीति अन्य दलों के साथ गठबंधन करना, सत्ता में आना और फिर उन्हें हाशिये पर धकेल देना है। सिब्बल ने कहा कि यह रणनीति बिहार में सफल रही और अब महाराष्ट्र में भी इसे अपनाया जा रहा है। सिब्बल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भाजपा की राजनीतिक रणनीतिः जिन राज्यों में वे सत्ता में नहीं हैं या बहुमत में नहीं हैं, वहां अन्य राजनीतिक दलों से गठबंधन करो, सत्ता में आओ और फिर उन्हें हाशिये पर डाल दो।' निर्दलीय राज्यसभा सदस्य सिब्बल ने लिखा, 'यह रणनीति बिहार में सफल रही। अब महाराष्ट्र में इसे लागू किया जा रहा है।'

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भाजपा ने 2, 869 सीट में से 1, 425 सीट जीतकर बड़ी सफलता हासिल की और मुंबई एवं पुणे सहित एक दर्जन से अधिक नगर निगमों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। इसके साथ ही पार्टी ने ठाकरे और पवार परिवारों के गढ़ में भी सेंध लगा दी। भाजपा ने 227-सदस्यीय बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में 89 सीट जीतीं, जिससे इस नगर निकाय पर ठाकरे परिवार का तीन दशक पुराना दबदबा खत्म हो गया। भाजपा की सहयोगी शिवसेना ने 29 सीट जीतीं, जबकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) को 65 सीट मिलीं और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को छह सीट से संतोष करना पड़ा।

वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने 24 सीट जीतीं। वहीं ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को आठ, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को तीन, समाजवादी पार्टी को दो और राकांपा (शरद चंद्र पवार) को बीएमसी में सिर्फ एक सीट मिली। भाजपा नवी मुंबई में 65 सीट के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसके अलावा कल्याण-डोंबिवली में 50, मीरा-भायंदर में 78, नासिक में 72, पनवेल में 55, पुणे में 119, पिंपरी-चिंचवड में 84, सोलापुर में 87, छत्रपति संभाजीनगर में 57, नांदेड में 45 और नागपुर में 102 सीट जीतकर भाजपा ने सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया है।

भाजपा ने पुणे चुनाव में पवार परिवार को चौंकाते हुए 119 सीट जीत लीं। अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा 27 सीट के साथ काफी पीछे दूसरे स्थान पर रही, जबकि उसकी सहयोगी राकांपा (शरद चंद्र पवार) को सिर्फ तीन सीट मिलीं। वहीं कांग्रेस को 15 सीट से संतोष करना पड़ा। अंतिम नतीजों के अनुसार, 29 नगर निकायों में कुल 2, 869 सीट में से भाजपा ने 1, 425 सीट जीतीं।

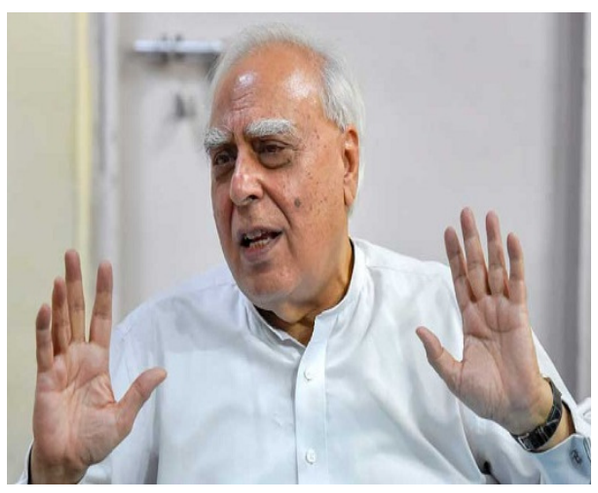

बांग्लादेश में अब केले को लेकर हिंदू कारोबारी की हत्या, पीटकर ले ली लिटन चंद्र घोष की जान

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश के गाजीपुर जिले में केले को लेकर हुए एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें 55 वर्षीय हिंदू कारोबारी लिटन चंद्र घोष की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। यह घटना शनिवार को कालिगंज इलाके में हुई। मृतक लिटन चंद्र घोष 'बैशाखी स्वीटमीट एंड होटल' के मालिक थे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि यह घटना हाल के दिनों में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ी हिंसा से जुड़ी है या नहीं। कालिगंज थाने के प्रभारी अधिकारी ज़ाकिर हुसैन ने बताया कि हत्या के सिलसिले में एक ही परिवार के तीन सदस्यों स्वपन मिया (55), मजेदा खातून (45), मासुम मिया (28) को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मासुम मिया की केले की बगान है, जहां से केले का एक गुच्छा गायब हो गया था। तलाश के दौरान उसने वही केले लिटन के होटल में देखे, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। पुलिस का कहना है, 'आरोपियों ने लिटन को घूंसे और लातें मारीं, जिससे वह जमीन पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।'लिटन के परिजनों ने बताया कि मासूम सुबह करीब 11 बजे होटल आया था और पहले होटल के एक कर्मचारी से किसी छोटी बात पर झगड़ा हुआ। इसके बाद उसके माता-पिता भी मौके पर पहुंचे और मामला हाथापाई में बदल गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घटना के पीछे कोई अन्य कारण या साजिश तो नहीं थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत जनपद के 3092 लाभार्थियों के बैंक खातों में 3092 लाख हस्तांतरित

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के अंतर्गत 02 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे रूपये-2, 000 करोड़ की अनुदान राशि हस्तांतरित किया। इसका सजीव प्रसारण उदयन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में किया गया तथा उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना।

ज्ञात हो कि परियोजना अधिकारी डूडा आकाश सिंह ने बताया कि जनपद कौशांबी के 3092 लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे प्रथम किस्त की अनुदान राशि 3092 लाख हस्तांतरित किया गया। जिसमें नगर पालिका परिषद मंझनपुर के 497 लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे प्रथम किस्त की अनुदान राशि हस्तांतरित किया गया। इसी प्रकार अझुवा के 331 लाभार्थियों, भरवारी के 1184 लाभार्थियों, चायल के 39 लाभार्थियों, चरवा के 325 लाभार्थियों, दारानगर के 167 लाभार्थियों, पूरब पश्चिम शरीरा के 144 लाभार्थियों, सराय अकील के 102 लाभार्थियों एवं सिराथू के 303 लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे प्रथम किस्त की अनुदान राशि हस्तांतरित किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य एवं अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंझनपुर वीरेन्द्र फौव भरवारी कविता पासी ने निकायवार 10-10, कुल 100 लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर, अधिशासी अधिकारी प्रतिभा सिंह, शहर मिशन प्रबन्धक डूडा कामरान अहमद, सी.एल.टी.सी. डूडा अदनान फैज, सामुदायिक आयोजक डूडा राजेन्द्र कुमार गुप्ता उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 1253 मरीजों का पंजीकरण, सीएमओ ने किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद में रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का सफल आयोजन किया गया, जिसमें जिले के 33 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और 3 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर कुल 1253 मरीजों का पंजीकरण कर उन्हें उपचार प्रदान किया गया।

ज्ञात हो कि महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, लखनऊ के निर्देशानुसार आयोजित इस मेले के सफल संचालन के लिए नोडल अधिकारियों और जिला/ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निरीक्षण की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. संजय कुमार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शमशाबाद, सेलरहा पश्चिम और मंझनपुर का निरीक्षण किया। सीएमओ डॉ. कुमार ने अवगत कराया कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से किया जा रहा है, जिसमें अब ब्लॉक स्तरीय

अधीक्षक, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के साथ-साथ अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी पर्यवेक्षण एवं सहयोग प्रदान कर रहे हैं और राज्य स्तर से प्राप्त गूगल ऐप पर अपनी रिपोर्ट और फोटो भी भेज रहे हैं। इस आयोजन में 53 चिकित्साधिकारी और 142 पैरामेडिकल कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। उपचार के दौरान, गंभीर मामलों में 22 मरीजों को मेडिकल कॉलेज/जिला संयुक्त चिकित्सालय मंझनपुर कौशाम्बी संदर्भित किया गया। साथ ही, आमजन को स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ देने के उद्देश्य से मेले में कुल 03 आभा आईडी और 84 गोल्डेन कार्ड भी बनाए गए। इस पहल का व्यापक प्रचार-प्रसार आशाओं और एएनएम (ंश) के माध्यम से किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

आलेख्य रूप से प्रकाशित, निर्वाचक नामावलियों को पढ़कर समस्त उपस्थित सदस्यों को सुनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, लखनऊ के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत आज जनपद के तीनों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (251-सिराथू, 252-मंझनपुर एवं 253-चायल) के समस्त मतदेय स्थलों पर बूथ लेविल अधिकारियों द्वारा ग्रामसभा/शहरी स्थानीय निकाय क्षेत्र के पार्षद/ग्राम प्रधान/वार्ड सदस्य/ बूथ लेविल एजेण्ट/स्थानीय प्रतिनिधियों/ नगरिकों की अपने बूथ पर उपस्थित होकर बी.एल.ओ. द्वारा बैठक आहूत करते हुए आलेख्य रूप से प्रकाशित की गई निर्वाचक नामावलियों को पढ़कर समस्त उपस्थित सदस्यों को सुनाया गया है एवं सभी से अपील की गयी कि 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी अर्ह मतदाताओं के नाम सम्मलित कराने के लिए फार्म-6 प्राप्त किये जा रहे है।

अपील की गई कि अर्ह मतदाताओं के फार्म-6 अधिक से अधिक भरवाने में सहयोग करें। आज जनपद के विधान सभा क्षेत्र 251-सिराथू मे फार्म-6- 843, फार्म-7-1 एवं फार्म-8-71, 252-मंझनपुर मे फार्म-6- 1523, फार्म-7-43. फार्म-8- 196, एवं 253-चायल में फार्म-6- 1298, फार्म-7-21, फार्म-8- 193, प्राप्त किये गये है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा सम्बन्धित क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सेक्टर आफिसरों द्वारा सम्बन्धित मतदेय स्थलों पर बी.एल.ओ. द्वारा आयोजित किये जा रहे बैठको का निरीक्षण किया गया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों, चौकियों एवं कार्यालयों में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जनपद के समस्त थानों, पुलिस चौकियों एवं कार्यालयों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने अत्यंत उत्साह के साथ श्रमदान करते हुए थाना परिसर, कार्यालय भवन, अभिलेख कक्ष, शस्त्रागार, मालखाना, हवालात और आवासीय परिसरों की गहन साफ-सफाई की। अभियान का मुख्य उद्देश्य पुलिस कार्यस्थल पर स्वच्छ एवं अनुशासित वातावरण सुनिश्चित करना तथा कूड़ा-करकट का समुचित निस्तारण कर स्वच्छता का संदेश देना है।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर समस्त पुलिसकर्मियों द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' के भाव को आत्मसात करते हुए प्रतिदिन अपने आसपास सफाई बनाए रखने और स्वच्छ वातावरण में कार्य करने का संकल्प लिया गया। साथ ही पुलिस द्वारा आम जनमानस को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वच्छता एक निरंतर प्रक्रिया है, अतः सभी परिसर सदैव सुव्यवस्थित रखे जाएं। यह स्वच्छता अभियान भविष्य में भी प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से जारी रहेगा ताकि पुलिस कार्यालयों में एक आदर्श वातावरण बना रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी 'करेला' गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सैनी थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे एक वांछित अभियुक्त को रविवार को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रामकरन उर्फ करेला के रूप में हुई है, जो वारदात के बाद से ही गिरफ्तारी से बचने के लिए छिप रहा था।

मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि बीते 15 जनवरी को एक महिला ने अपनी नाबालिग बेटी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने की सूचना दर्ज कराई थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया था। पीड़िता के बयानों और मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया और साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के साथ-साथ पॉक्सो एक्ट की बढ़ोतरी की।

रविवार को सैनी थाना पुलिस को मुखबिर के जरिए सटीक सूचना मिली कि वांछित अभियुक्त रामकरन उर्फ करेला क्षेत्र में ही कहीं छिपा है। पुलिस टीम ने बिना देरी किए घेराबंदी की और मुराइन का पुरवा (मजरा धुमाई) निवासी अभियुक्त को दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा संख्या 20/26 के तहत धारा 137(2), 65(1), 351(3) और पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की गई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत जनपदभर में जागरूकता कार्यक्रम

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण, साइबर अपराध से बचाव तथा नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता हेतु जनपद कौशाम्बी के विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान महिला सहायता केंद्र, मिशन शक्ति केंद्र, एंटीरोमियो टीम के कार्यों की जानकारी देते हुए शासन द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रमों के दौरान मिशन शक्ति, नारी शक्ति, नारी सम्मान, नारी सुरक्षा एवं नारी स्वावलंबन के उद्देश्यों पर विशेष बल दिया गया तथा निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन। जनपद पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण हेतु यह अभियान निरंतर जारी रहेगा

धूमधाम से मना उमा टेक्निकल डिग्री कालेज बर्डपुर का 9वां स्थापना दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले ने स्थित उमा टेक्नीकल डिग्री कालेज बर्डपुर का 9वां स्थापना दिवस रविवार को हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं संस्थान के निदेशक द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रेरक उद्बोधनों एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण उत्तीर्ण विद्यार्थियों को अंक पत्र एवं डिग्री का वितरण रहा। डिग्री एवं अंक पत्र प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिला कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि तकनीकी शिक्षा आज के युग की आवश्यकता है। उमा टेक्नीकल डिग्री कॉलेज जैसे संस्थान ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार है। संस्थान के निदेशक सुरजीत मोदनवाल ने इस अवसर पर संस्थान की 9 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उमा टेक्निकल डिग्री कॉलेज ने अल्प समय में शिक्षा, अनुशासन एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने शिक्षकों एवं कर्मचारियों के

योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से ही यह सफलता संभव हो पाई है।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में निदेशक सुरजीत मोदनवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर व्यापार संगठन के नगर अध्यक्ष राजकमल जायसवाल, डॉ. अजय यादव, डीसी जय प्रकाश गुप्ता, अनिल चौधरी, आशीष मिश्रा, सन्दीप मद्धेशिया, राकेश मिश्रा, चंद्रभान यादव, अधिवक्ता अबरार कयूम, डॉ. मंजीत मोदनवाल, रंजीत मोदनवाल, शफीउर्रहमान, आरती मोदनवाल, मेराज अहमद, शिल्पी कसौधन, आरजू गुप्ता, अर्पित गुप्ता, मोहम्मद जैद, मोहम्मद हसन, मोहम्मद सूफियान, उसैद, दानिश सिद्दीकी आदि उपस्थित रहे।

स्वदेशी संकल्प यात्रा का सैनी चौराहे पर भाजपा नेता प्रशांत केसरी द्वारा किया गया भव्य स्वागत

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सैनी चौराहे पर रविवार को स्वदेशी संकल्प यात्रा का स्वागत किया गया । एक महीने चलने वाली यह यात्रा उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के शहरों, नगरों और गांवों में जाकर लोगों को स्वावलंबी, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए स्वदेशी वस्तुओ के उपयोग का निवेदन किया। इस यात्रा में

पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र संयोजक अनुपम श्रीवास्तव प्रांत संगठन मंत्री विवेक कुमार प्रांत सह संयोजक अजय आनंद आदि प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे प्रयागराज से कानपुर जा रही यात्रा का सैनी में स्वागत कर स्वदेशी का संकल्प लिया। गांव शहर की एक पुकार -उद्यमिता और स्वरोजगार, स्वदेशी अपनायेगे - भारत समृद्ध बनाएंगे जैसे नारों से सैनी से स्वदेशी और लोकल फॉर वोकल का जनजागरण किया।

स्वागत कार्यक्रम में प्रशांत केशरी, दीपू सिंह, गुड्डू पटेल, रोहित पटेल, अनूप सिंह आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विधायक की पहल पर सड़क चौड़ीकरण करने को मिली स्वीकृति

सिद्धार्थनगर। जिले के कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र की जनता के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। लोक निर्माण विभाग द्वारा बहुप्रतीक्षित उसका-अजगरा-धर्मसिंहवा मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए ?16 करोड़ 24 लाख 70 हजार की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वपूर्ण परियोजना से क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इस सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण से न केवल ग्रामीण एवं कस्बाई इलाकों का आपसी संपर्क बेहतर होगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी आसान होगी। साथ ही यह मार्ग क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर सदर विधायक श्यामधनी राही ने जानकारी देते हुए बताया कि यह स्वीकृति कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याण एवं बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है और सड़क निर्माण जैसी योजनाएं ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं।विधायक श्यामधनी राही ने इस जनहितकारी निर्णय के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति कपिलवस्तु विधानसभा की देवतुल्य जनता की ओर से हार्दिक आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने विश्वास जताया कि यह परियोजना शीघ्र पूर्ण होकर आमजन को बेहतर यातायात सुविधा प्रदान करेगी और क्षेत्र के विकास को गति देगी।

पुलिस ने द्वारा अपहृत बालक को सकुशल बरामद कर परिजनो के सुपुर्द किया

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के एसएसपी डॉ0 अभिषेक महाजन के द्वारा चलाये जा रहे अभियान आपरेशन मुस्कान के तहत प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के पर्यवेक्षण अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा मय टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 07/2026 धारा 137(2) से सम्बन्धित अपहृत प्रीतम पुत्र संतराम निवासी भथौरा उम्र करीब 15 वर्ष को उप निरीक्षक जगतनरायण यादव, कास्टेबल विशाल सिंह द्वारा जनपद अयोध्या से सकुशल बरामद कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर परिजनो को सुपुर्द किया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के लाभार्थियों को मिला चेक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के लोहिया कला भवन में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना-2.0 के अन्तर्गत प्रदेश के 2 लाख लाभार्थियों के बैंक खाते में 2000 करोड़ की धनराशि सीधे डीबीटी के माध्यम से मुख्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक भवन सभागार लखनऊ से किया गया। जिसका लाइव प्रसारण में विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, सदस्य विधान परिषद ध्रुव कुमार त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व लाभार्थियों की उपस्थिति में देखा गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगणों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक कपिलवस्तु श्यामधनरी राही ने कहा कि आज मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से सीधे योजनाओ का लाभ दिया जा रहा है। सभी पात्र व्यक्तियों को सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओ का लाभ मिल रहा है। समाज के अन्तिम व्यक्ति को भी योजनाओं का लाभ देने का काम किया जा रहा है।

सदस्य विधान परिषद ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने आवास पाने वाले लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि लाभार्थियों का द्वितीय किश्त समय से निर्गत करें। इसमें किसी भी लाभार्थी को अनावश्यक परेशान न किया जाये। जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ग के पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत यह भारत सरकार की प्रमुख योजना है। जिसमें पात्र व्यक्तियों को पक्का मकान देना सरकार की प्राथमिकता है। जनपद में अब तक कुल 22220 आवासों को स्वीकृत किया जा चुका है। जिसके सापेक्ष 21651 आवास पूर्ण हो गया है।

माघ मेले में आत्मप्रचार की राजनीति और कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति यात्रा की शांतिपूर्ण ऐतिहासिक मिसाल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में हाल ही में तथाकथित 'शंकराचार्य' अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़ी घटना को जिस प्रकार प्रमुखता से प्रसारित किया गया, वह पूरी तरह ड्रामेबाजी, आत्मप्रचार और अनावश्यक टकराव का उदाहरण है। हमारा स्पष्ट मत है कि स्वयं को 'सातवां बाबा' की तरह हाईलाइट करने और चर्चा में बने रहने के उद्देश्य से अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा यह पूरा घटनाक्रम जानबूझकर रचा गया।

इसके ठीक विपरीत, कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति यात्रा प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर, संयम, अनुशासन और सनातन मर्यादा के साथ पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से सफलतापूर्वक संपन्न हुई, जो यह सिद्ध करती है कि जब उद्देश्य धर्म, न्याय और आस्था हो, तब टकराव की कोई आवश्यकता नहीं होती।

यात्रा के दौरान संगम क्षेत्र में अत्यधिक भीड़ और प्रशासनिक दबाव की स्थिति रही। पुल नंबर-1 पर कुछ समय के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद एवं असहमति की स्थिति बनी, जिसमें कृष्ण सेना के प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिंह , एवं अन्य कार्यकर्ताओं तथा पुलिस इंस्पेक्टर विनोद यादव एवं नायब तहसीलदार अभिजीत गौरव के बीच नोकझोंक हुई। किंतु सेक्टर मजिस्ट्रेट-2 विजय त्रिवेदी के समयोचित, संतुलित एवं संवेदनशील हस्तक्षेप से स्थिति तुरंत नियंत्रित हो गई।

सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट, मथुरा के अध्यक्ष, माता शाकुंभरी पीठाधीश्वर एवं कृष्ण जन्मभूमि केस के मुख्यवादी पक्षकार आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज से आग्रह किए जाने पर यात्रा को वैकल्पिक मार्ग पुल नंबर-2 से निकाला गया, जिसे यात्रा नेतृत्व ने पूर्ण सहयोग, अनुशासन और प्रशासनिक सम्मान के साथ स्वीकार किया। यह घटना प्रशासन और धार्मिक नेतृत्व के बीच सकारात्मक समन्वय का उदाहरण बनी।

इसके पश्चात संगम तट पर भगवान केशव देव लड्डू गोपाल का विधिवत धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। सर्वप्रथम उन्हें माता गंगा एवं मां सरस्वती के पावन संगम जल से विधिवत स्नान कराया गया, तत्पश्चात सनातन परंपरा के अनुरूप उनकी पटरानी माता यमुना के पवित्र जल से मिलान (मिलन) कराया गया। यह पावन अनुष्ठान वैदिक मंत्रोच्चार, श्रद्धा और पूर्ण शांति के वातावरण में संपन्न हुआ, जिससे संगम तट पर उपस्थित श्रद्धालुओं में गहन आध्यात्मिक भाव देखने को मिला।

धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत यात्रा सकुशल कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति शिविर, सेक्टर-6, संगम ओवर ब्रिज, हरीशचंद्र चौराहा, प्रयागराज में वापस लौटी। पूरी यात्रा के दौरान कहीं भी कोई हिंसा, अव्यवस्था या प्रशासन से टकराव नहीं हुआ, जो स्वयं में कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन की मर्यादा और अनुशासन को दर्शाता है।

इस अवसर पर कृष्ण जन्मभूमि केस के मुख्यवादी पक्षकार आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने कहा– 'सनातन धर्म में साधु-संत का आचरण ही उसकी सबसे बड़ी पहचान होता है। हमारा उद्देश्य न तो ड्रामा करना है और न ही सुर्खियों में आना, बल्कि धर्म, न्याय और मर्यादा के साथ भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि के लिए संघर्ष करना है। प्रशासन के साथ सहयोग करते हुए शांतिपूर्ण यात्रा इसका जीवंत प्रमाण है।'

उन्होंने आगे कहा कि जहां कुछ लोग फर्जी पदवियों, विवाद और टकराव के माध्यम से स्वयं को 'हाईलाइट' करना चाहते हैं, वहीं कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन पूरी तरह अहिंसक, न्यायिक प्रक्रिया में आस्था रखने वाला और सनातन मूल्यों पर आधारित आंदोलन है।

हम यह भी स्पष्ट करते हैं कि अविमुक्तेश्वरानंद को आज तक न तो किसी मान्यता-प्राप्त शंकराचार्य पीठ की स्वीकृति प्राप्त है और न ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उन्हें शंकराचार्य के रूप में मान्यता दी गई है। ऐसे में माघ मेला जैसे पवित्र धार्मिक आयोजन में जानबूझकर टकराव उत्पन्न कर स्वयं को 'सातवां बाबा' के रूप में स्थापित करने का प्रयास न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सनातन परंपरा और संत मर्यादा के भी विरुद्ध है।

ड्रामेबाऔर टकराव क्षणिक सुर्खियां दे सकते हैं, लेकिन संयम, अनुशासन, आस्था और सत्य के मार्ग पर चलने वाले आंदोलन ही इतिहास रचते हैं।

कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति यात्रा आगे भी इसी मर्यादा, शांति और न्याय के पथ पर निरंतर चलती रहेगी।यात्रा में मुख्य रूप से राधा वाहिनी की राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रेम कामिका, कृष्ण सेना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आचार्य प्रेम निधि दास , कृष्ण सेना के प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिंह, जिला अध्यक्ष प्रशांत सिंह , आचार्य प्रशांत शास्त्री , आचार्य आदिया तिवारी, आचार्य हरि शरण, , विनीत भार्गव, शुभम भर्गव, निर्मल , राधे श्याम , अमरेंद्रकुमार, , मनीष सिंह, , अयोध्यादास, विनय शर्मा, संदीप अग्रहरी, बिपिन वास्तव , अविनाश सिंह देव, दीपक, लवकुश, शिवम, मनीष महाराज, मनीष डावर, राम दर्शन अग्रवाल, विनीत देवी, राजकुमारी, गीता कुमारी, सहित भारी संख्या में मौजूद रहे।

माघ मेला 2026 में फिजियोथैरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। फिजियोथैरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश की ओर से माघ मेला 2026 के पावन अवसर पर 18 जनवरी 2026 (अमावस्या स्नान पूर्व) को दोपहर 12:30 बजे से फिजियोथैरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन शिविर, माघ मेला, प्रयागराज में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

यह आयोजन संस्था की जनसेवा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक दायित्व के प्रति सतत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों एवं जरूरतमंदों ने प्रसाद ग्रहण कर लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम का आयोजन अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ. त्रिभुवन सिंह, महासचिव डॉ. संतोष पांडेय , डॉ बिटम सिंह ज्वाइंट सेक्रेटरी सहित संस्था के अनेक वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. धीरज सिंह, डॉ. दिनेश मिश्रा, डॉ. अनुज सैनी, डॉ. दीप्ति योगेश्वर, डॉ. अर्चना पटेल, डॉ. विजय विश्वकर्मा, डॉ. ताजिम तथा फिजियोथैरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अन्य सम्मानित सदस्य शामिल रहे।

सभी सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने समर्पण भाव से सेवा कर कार्यक्रम को सफल बनाया। संस्था की ओर से सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया गया।

शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती ने किया संगम स्नान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती महराज ने मौनी आमावस्य का स्नान बडी संख्या में शिष्यों सहित संगम पर आज किया। उन्होने देशवासियों के सुखद भविष्य, उन्नति और लोक कल्याण की कामना किया है। उन्होंने बताया कि आज विश्व में विश्व युद्ध का खतरा मडरा रहा है उसको रोकना जरूरी है जिससे विश्व मे शांति बनी रहे।

आचार्य महामण्डलेश्वर के नेतृत्व में किन्नर संतों ने किया गंगा स्नान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) स्वामी लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज के नेतृत्व में मौनी आमावस्या का आज स्नान माघ मेला क्षेत्र के ओल्ड जीटी रोड पर बने स्नान घाट पर गंगा में स्नान किया। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) स्वामी लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज ने सभी के कल्याण, लोक उन्नति की कामना किया। उन्होंने कहा कि मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती, भगवान वेणी माधव और तीर्थराज प्रयागराज से सनातन धर्म की धर्म ध्वजा फहरा पूरे विश्व में फहरा रही है। मौनी आमावस्या पर स्नान करने वाले किन्नर संतों में किन्नर

अखाड़ा के संरक्षक दुर्गादास महराज, यूपी की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरी, सचिव महामण्डलेश्वर स्वामी कन्केश्वरी नंद गिरि, झारखण्ड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी राजेश्वरीनंद गिरि, सचिव महामण्डलेश्वर अमरजीत, पंजाब की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी वामदेव महराज, उडीसा की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी मीरा नंद गिरि, महा मण्डलेश्वर स्वामी देवांशी नंद गिरि सचिव, गुजरात की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी गिरनारी नंद गिरि, सचिव पुन्या नंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी पूजानंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी भाविकानंद गिरि सहित किन्नर अखाडा के बडी संख्या में संत, शिष्य स्नान में शामिल हुए।

100 वर्ष की संघ यात्रा : चेतना सुरभि सनातन की - लाला सीताराम गोयल स्मृति सेमिनार 75.0 प्रायोजक एस आर चेरिटेबल ट्रस्ट

डॉ बजरंग लाल गुप्ता जी, संजीव गोयल जी, सुनील विश्वनाथ देवधर जी, लोक गायिका पद्ममालिनी अवस्थी जी, कवि योगेन्द्र शर्मा आदि अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिममयी उपस्थिति

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत की सनातन चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रबोध को समर्पित '100 वर्ष की संघ यात्रा - चेतना सुरभि सनातन की' विषय पर आयोजित लाला सीताराम गोयल स्मृति सेमिनार अत्यंत गरिमामय, प्रेरणादायक एवं वैचारिक ऊंचाई से परिपूर्ण दृष्टि से आयोजित किया गया। इस अवसर पर देश के प्रतिष्ठित संतों, विद्वानों, विचारकों एवं समाजसेवियों की गरिममायी उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

कार्यक्रम का आयोजन एस. आर. चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में किया गया, जिसका उद्देश्य सनातन संस्कृति, राष्ट्रीय चेतना तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा को जनमानस तक पहुंचाना है।

सेमिनार में परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती का पावन सान्निध्य, आशीर्वाद एवं उद्बोधन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर डॉ. बजरंग लाल गुप्ता जी, संजीव गोयल जी, सुनील विश्वनाथ देवधर तथा सुप्रसिद्ध कवि योगेन्द्र शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी वक्ताओं ने संघ की 100 वर्ष की यात्रा को सेवा, त्याग, तपस्या और राष्ट्रनिष्ठा का अनुपम उदाहरण बताया।

पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'सनातन है तो भारत है, भारत है तो सनातन है और संघ है तो सनातन है।' उन्होंने कहा कि संघ के कार्यकर्ताओं ने स्वयं अपमान झेलकर भी देश के स्वाभिमान को जीवित रखा। संघ ने सदैव समाज में संस्कार निर्माण का कार्य किया। संघ की शक्ति उसके अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति में निहित है।

उन्होंने कहा कि श्रीराम और रामायण हमारे जीवन की मर्यादा हैं। श्रीराम केवल एक ऐतिहासिक पुरुष नहीं, बल्कि आदर्श जीवन के प्रतीक हैं। रामायण भारतीय समाज के लिए नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शक ग्रंथ है। आज जब विश्व मूल्य संकट से गुजर रहा है, तब रामायण मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ बन सकती है।

वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा सामाजिक पुनर्जागरण की यात्रा है। संघ ने देश के कोने-कोने में सेवा कार्यों के माध्यम से समाज को जोड़ा, संस्कारों को जीवित रखा और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रज्वलित किया।

सुनील विश्वनाथ देवधर ने संघ की वैश्विक छवि और उसकी राष्ट्रसेवा की भूमिका पर प्रकाश डाला।

वक्ताओं ने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान करते हुये कहा कि वे आधुनिकता के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य तभी सुरक्षित है जब युवा पीढ़ी अपने सनातन मूल्यों को आत्मसात करेगी।

इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य यह संदेश देना है कि भारत की शक्ति उसकी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों में निहित है। संघ इस सनातन चेतना का वाहक बनकर समाज में निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र, संस्कृति और सनातन चेतना के प्रति समर्पण के संकल्प के साथ हुआ।

इस अवसर पर जगदीश मित्तल जी, नंद किशोर गर्ग जी, सुभाष गोयल और अनके विभूतियों का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ।

केपी ट्रस्ट के सहयोग से सक्सेना सभा ने श्रद्धालुओं को किया चाय, स्नैक्स का वितरण

प्रयागराज। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मौनी अमावस्या पर स्नान करने आए श्रद्धालुओं को सक्सेना सभा द्वारा के पी ट्रस्ट के सहयोग से चाय व स्नैक्स का वितरण कर सेवा कार्य किया गया।

सचिव डा अंजनी सक्सेना ने बताया कि केपी कम्युनिटी के समीप चित्रगुप्त मंदिर के सामने स्टॉल लगाकर सुबह 6 बजे से श्रद्धालुओं को चाय, बिस्कुट, मठरी आदि का वितरण शुरू हुआ। हजारों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को गर्म चाय, नाश्ता मिलने से उन्हें ठंड से राहत मिली। श्रद्धालुओं ने गर्म चाय व नाश्ता पाकर सक्सेना सभा को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम आयोजन में विनीत सक्सेना तथा वालिंटियर्स अभिषेक सक्सेना, कृतिक सक्सेना, उन्नति, धीरज सक्सेना, कौशल आदि रविवार भोर से लगे रहे। कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट द्वारा टेन्ट आदि का निःशुल्क सहयोग प्रदान किया गया। अध्यक्ष डॉ अरविंद सरन दरबारी ने कहा कि सक्सेना सभा के लिए गर्व का पल है कि हर वर्ष पूरी समर्पणता के साथ श्रद्धालुओं की सेवा की जाती है। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष मनोज सक्सेना, एडवोकेट विश्व ज्योति सहाय, श्रीमती सुमन सक्सेना, डा स्नेह सुधा, अभिषेक सक्सेना, दिनेश सक्सेना, योगेश सक्सेना, संजीव सक्सेना, जूही सक्सेना, विशाल सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

किन्नर अखाडा में दो महंत, दो श्रीमहंत, चार कंठी चेला बने

देवघर के अजीत सिंह रूद्रा बनेगे श्रीमहंत : डा लक्ष्मी नारायण

किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर ने किया पट्टाभिषेक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज से किन्नर अखाडा का विस्तार जारी है। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) स्वामी लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज ने माघ मेला के सेक्टर -6 ओल्ड जीटी रोड - संगम लोवर पर लगे शिविर में आज दो महंत, दो श्रीमहंत, चार कंठी चेला बनाए है। विधि विधान से हुए कार्यक्रम में उडीसा की महंत सोनू नंद गिरि, महंत भूतनाथ कोलकाता व सोनाली नंद गिरि और श्रीमहंत प्रियांशु नंद गिरि महंत बनाये गये है।

किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) स्वामी लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज ने घोषणा किया कि झारखण्ड के देवघर के अजीत सिंह रूद्रा श्रीमहंत बनेगे, इनका पटटाभिषेक झारखण्ड की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी राजेश्वरीनंद गिरि (रोज मौसी) के मार्च में देवघर मे होने वाले कार्यक्रम में होगा। वैष्णव परंपरा की उडीसा की महामण्डलेश्वर स्वामी दिव्यांशी नंद गिरि (रक्षा) ने कंठी चेला मीरा सखी, मयूरी, श्रीसखी को बनाया है। पटटाभिषेक कार्यक्रम में किन्नर अखाड़ा के संरक्षक दुर्गादास महराज, यूपी की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरी अध्यक्ष, सचिव महामण्डलेश्वर स्वामी कन्केश्वरी नंद गिरि, झारखण्ड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी राजेश्वरीनंद गिरि अध्यक्ष, सचिव महामण्डलेश्वर अमरजीत सचिव पंजाब की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी वामदेव, उडीसा की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी मीरा नंद गिरि, महा मण्डलेश्वर स्वामी देवांशी नंद गिरि सचिव, गुजरात की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी गिरनारी नंद गिरि अध्यक्ष, सचिव पुन्या नंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी पूजानंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी भाविकानंद गिरि सहित किन्नर अखाडा के बडी संख्या मे संत, शिष्य शामिल हुए।

कोहरे में खड़े ट्रक से टकराया ट्रक, चालक गंभीर घायल

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के देवरिया गांव के सामने नेशनल हाईवे मार्ग पर शनिवार सुबह घने कोहरे के कारण सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से आ रहे एक अन्य ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में टक्कर मारने वाले ट्रक का चालक कुंवर सिंह (32) निवासी उमरी, थाना रामपुर, जिला जालौन गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत थरवई पुलिस को सूचना दी। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से घायल चालक को 108 एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया, जहां घायल चालक का उपचार चल रहा है।घायल चालक कुंवर सिंह ने बताया की ट्रक में किराने का सामान लेकर कोलकाता जा रहा था। सुबह घने कोहरे के कारण सड़क पर दृश्यता कम थी, इसी दौरान सड़क किनारे खड़े ट्रक का अंदाजा नहीं लग सका और यह दुर्घटना हो गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों ट्रकों को अपने कब्जे में ले लिया है।

ग्राम सचिवालय का ताला तोड़कर इनवर्टर-बैटरी व प्रिंटर चोरी

थरवई। थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव स्थित ग्राम पंचायत सचिवालय में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर इनवर्टर, बैटरी, प्रिंटर समेत अन्य कीमती सामान लाखों रुपए के समान अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। यह घटना दो दिन पूर्व की है। घटना से गांव में दहशत का माहौल है।ग्राम प्रधान सविता देवी पत्नी शिवकुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे जरूरी कार्यालयी उपकरण चोरों ने निशाना बनाए हैं। सुबह जब सचिवालय खुला तो ताले टूटे मिले और अंदर रखा सामान गायब था। चोरी की पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें चोरों की गतिविधियां स्पष्ट रूप से देखी जा रही हैं।ग्राम प्रधान ने मामले की लिखित तहरीर थरवई पुलिस को सौंप दी है।

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का स्मृति दिवस को विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विश्वव्यापी संस्थान ब्रह्माकुमारीज के प्रयागराज क्षेत्र के मुख्यालय सद्भावना भवन, नैनी में ब्रह्माकुमारीज के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 57वां स्मृति दिवस, विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए प्रयागराज की क्षेत्रीय संचालिका मनोरमा दीदी ने बताया कि 18 जनवरी 1969 को प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने संपूर्णता को प्राप्त कर अपना पुराना शरीर छोड़ा। उनका लौकिक जन्म अविभाजित भारत के सिंध प्रांत के हैदराबाद शहर में दादा खूब चंद कृपलानी, जो कि एक अध्यापक थे, उनके घर में छोटे पुत्र के रूप में हुआ। बाल्यकाल से ही दिव्य गुणों एवं दिव्य बुद्धि से परिलक्षित दादा लेखराज बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। बचपन में ही माता-पिता का साया सिर से उठ जाने के बावजूद, छोटी आयु में ही उन्होंने पहले अपने भाई के साथ और फिर खुद के व्यापार में हाथ आजमाया और भारत के प्रतिष्ठित स्वर्ण एवं हीरे की व्यापारियों में शामिल हो गए। पवित्र एवं निस्वार्थ भाव से भक्ति, दान-पुण्य में संलग्न दादा लेखराज ने अपने जीवन में बहुत संपन्नता को प्राप्त किया। 1936 में 60 साल की उम्र में निराकार परमपिता परमात्मा शिव ने उनको भावी विनाश एवं विश्वपरिवर्तन का साक्षात्कार कराया एवं उनके तन का आधार लेकर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना की। 1937 से 1950 तक कराची में तथा 1950 से 1969 तक भारत के माउंट आबू में रहकर उन्होंने विश्व सेवा के लिए परमात्मा शिव के दिए हुए गीता ज्ञान एवं सिखाए हुए राजयोग को आम जनमानस तक पहुंचाया ।प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की दिव्य पालन एवं परमात्मा शिव पर उनके संपूर्ण निश्चय एवं समर्पण का अनुगमन करते हुए आज विश्व के पांचो ही महाद्वीपों में 15 लाख से ज्यादा भाई बहनें स्व-परिवर्तन से युग परिवर्तन के मंत्र को अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर उनके बताए हुए मार्ग पर चल रहे हैं।

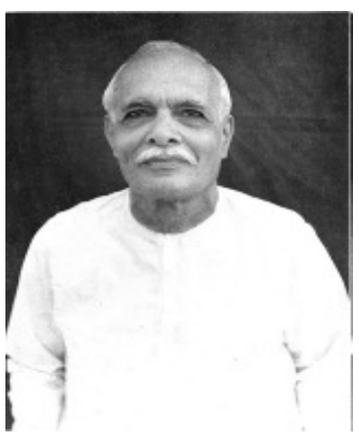

सम्पादकीय

युवा देश, घटते मौके- क्या बढ़ती बेरोजगारी रोक रही है 'विकसित भारत 2047' की राह?

देश में पिछले कुछ वर्षों से बेरोजगारी एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। इससे बड़े स्तर पर युवा श्रम शक्ति का इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है और यह राष्ट्र के संपूर्ण विकास में भी अवरोध पैदा कर रहा है। किसी भी अर्थव्यवस्था को तभी संतुलित माना जाता है, जब उसमें आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हों। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कुल कार्यबल तथा जनसंख्या के लिहाज से भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। यहां युवाओं की आबादी अन्य देशों की तुलना में अधिक है। मगर इस कार्यबल को व्यापक रूप से राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी के समान अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

इसका आकलन केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी रपट से किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि देश में पंद्रह वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी दर पिछले वर्ष दिसंबर में बढ़कर 4.8 फीसद पर पहुंच गई, जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 4.7 फीसद था। शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी का असर ज्यादा रहा, जहां इसकी दर नवंबर में 6.5 फीसद से बढ़कर 6.7 फीसद हो गई। इससे स्पष्ट है कि सरकारी और निजी संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर घट रहे हैं।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ओर से 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्किल इंडिया' जैसी योजनाओं की शुरुआत की गई है, लेकिन इनका असर विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग रहा है। कई युवा और श्रमिक वर्ग अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

कृत्रिम मेधा और डिजिटलीकरण के कारण भी रोजगार में कमी आई है। हालांकि, डिजिटल क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं, लेकिन इनमें भी विशेष कौशल की आवश्यकता होती है, जो हर किसी के पास नहीं है। इसमें दोराय नहीं कि रोजगार की मांग के अनुपात में सरकारी नौकरियों की संख्या में वृद्धि नहीं हो पा रही है।

इसके अलावा, सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और परीक्षा प्रणाली के मुद्दे भी रोजगार हासिल करने के समान अवसरों को प्रभावित करते हैं। हालांकि आंकड़ों के हिसाब से देखें तो शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में राहत की बात यह है कि वहां पिछले वर्ष नवंबर से दिसंबर के बीच बेरोजगारी दर 3.9 फीसद पर स्थिर है।

दरअसल, किसी भी देश में संपूर्ण आर्थिक विकास तभी संभव हो पाता है, जब सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हो, प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी तथा गरीबी, भुखमरी और सामाजिक असमानता में कमी आए तथा रोजगार की उपलब्धता और प्रति व्यक्ति खुशहाली हो। विकास का माडल ऐसा होना चाहिए, जिसमें रोजगार के अवसर, गरीबों का उत्थान और किसानों की समृद्धि सुनिश्चित हो सके तथा महंगाई की दर कम रहे।

सवाल है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, क्या मौजूदा परिस्थितियों की लिहाज से उसे तय समय में हासिल किया जा सकेगा! यह सच है कि बेरोजगारी दर में उतार-चढ़ाव से देश के विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि बेरोजगारी दर में कमी लाने के लिए शिक्षा को कौशल विकास से जोड़ने को प्राथमिकता दी जाए और सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएं। तभी भारत सही मायने में एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ पाएगा।

पर्यावरण : जान-माल के नुकसान की नेताओं को परवाह नहीं

देश के समक्ष पर्यावरण परिवर्तन एक ऐसी चुनौती बन गई है, जिसकी कीमत हर साल हजारों लोगों की जान देकर और अरबों रुपयों के नुकसान से चुकानी पड़ती है। हर साल विकराल होती इस समस्या के नेता और राजनीतिक दल गंभीर दिखाई नहीं देते। वोट बैंक की राजनीति इस गंभीर समस्या पर भारी पड़ रही है। केंद्र और राज्यों की सरकारों के लिए यह समस्या प्राथमिक सूची में नहीं है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार साल 2025 के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों में आपदाओं ने भयंकर कोहराम मचाया जिसमें सैकड़ों आम लोगों की जान चली गयी। बीते साल 2025 में प्राकृतिक आपदाओं के कारण देश में 2700 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। सबसे ज़्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड की गई, जबकि मध्य प्रदेश आपदा से हुई मौतों के मामले में दूसरे नंबर पर रहा। आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की वजह से सबसे ज़्यादा मौतें बिहार में रिकॉर्ड की गई।

उत्तर-पश्चिम भारत में, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बड़ी संख्या में बादल फटने, भूस्खलन और फ़्लैश फ्लड जैसी आपदाओं ने भयंकर कोहराम मचाया। बीते साल 1901 के बाद पिछले 124 साल में से तीसरी सबसे अधिक रिकॉर्ड की गयी।अंतरराष्ट्रीय बीमा कंपनी स्विस रे की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013-2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार ये बड़े

नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। इस विश्लेषण में पाया गया कि भारत में पिछले दो दशकों में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल वार्षिक नुकसान का लगभग 63 फीसदी हिस्सा बाढ़ से जुड़ा हुआ है। इसका कारण भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति है।

संयुक्त राष्ट्र कार्यालय आपदा जोखिम न्यूनीकरण की रिपोर्टों के अनुसार भारत प्राकृतिक आपदाओं से सर्वाधिक आर्थिक नुकसान झेलने वाले शीर्ष देशों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य रिपोर्टों के अनुसार भारत को चरम मौसम की घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं के कारण हर साल भारी आर्थिक नुकसान होता है, लेकिन यह आंकड़ा 7 अरब डॉलर से काफी अधिक है, जो हाल के वर्षों में बढ़कर 8.7 अरब डॉलर (2021 की रिपोर्ट के अनुसार) या इससे भी अधिक (जैसे 2023 में 12 अरब डॉलर) हो गया है, क्योंकि बाढ़, तूफान और सूखे जैसी आपदाएं बढ़ रही हैं। 2003-2012 के दशक के 3.8 अरब डॉलर के औसत से बढ़कर 2013-2022 के दशक में यह औसत 8 अरब डॉलर प्रति वर्ष हो गया है, जो 125इ की वृद्धि है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में भारत को जलवायु-संबंधी खतरों से 87 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 (सीआरआई) की नई रिपोर्ट के अनुसार, 1995-2024 की अवधि में भारत दुनिया के उन शीर्ष 10 देशों में रहा है, जिन्हें जलवायु परिवर्तन से जुड़े चरम मौसम-कार्यों (बाढ़, तूफान, हीटवेव, सूखा आदि) का सबसे ज़्यादा सामना करना पड़ा है। इस 30-वर्षीय अवधि में भारत में करीब 430 आपदाएं हुईं, जिनमें लगभग 80, 000 लोगों की मौत हुई और 1.3 अरब से अधिक लोग प्रभावित हुए। अनुमानित आर्थिक हानि लगभग 170 अरब डालर रही। सीआरआई की रिपोर्ट बताती है कि भारत 'लगातार खतरे' की श्रेणी में आता है। देश में जलवायु आपदाएँ इतनी बार-बार हो रही हैं कि एक घटना के प्रभाव से पूरी तरह उबरने से पहले ही अगली आ जाती है। नहरों, हिमालयी नदियों, समुद्री तटीय इलाकों और कृषि-प्रधान क्षेत्रों के लिए यह विशेष रूप से चिंता की बात है।

भारत में जलवायु परिवर्तन से सिर्फ मौसम ही नहीं बिगड़ रहा, बल्कि यह बदलाव लोगों की सेहत पर भी सीधा हमला कर रहा है। इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ से जुड़े शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए इस अध्ययन के मुताबिक भारत के जलवायु संवेदनशील जिलों में बच्चों के कुपोषित होने का खतरा अन्य जिलों की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। इन जिलों में महिलाओं के घर पर प्रसव और बच्चों के ठिगने होने की आशंका भी अधिक है। मतलब कि जलवायु संकट का सीधा असर मां और शिशु के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इस कड़ी में दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ के शोधकर्ताओं ने अपने एक नए अध्ययन में भारत में जलवायु संकट और स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध को उजागर किया है। अध्ययन से पता चला है जलवायु जोखिम वाले जिलों के बच्चों के कुपोषित होने की आशंका 25 फीसदी अधिक है, यानी इन जिलों में बच्चों का वजन उम्र के अनुपात में सामान्य से कम होने का खतरा कहीं ज्यादा है।

यूनेस्को की एक नई रिपोर्ट ने यह खुलासा किया है कि अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चे अपनी पढ़ाई में डेढ़ साल तक पीछे रह सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से बाढ़, जंगल की आग, गर्मी और तूफान जैसी आपदाओं ने पिछले 20 सालों में 75इ मामलों में स्कूल बंद करवाए हैं। बांग्लादेश, दक्षिण सूडान और भारत जैसे देशों में बच्चे स्कूल नहीं लौट पाते, क्योंकि उनके घर, स्कूल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। भारत में 15 लाख से ज्यादा स्कूल हैं, जिनमें से कई में न तो पंखे हैं और न ही ठंडक की कोई व्यवस्था। शहरों में, कम आय वाले इलाके खराब शहरी नियोजन और हरियाली की कमी के कारण असमान रूप से प्रभावित होते हैं। ग्रामीण इलाकों और गरीब बस्तियों में स्थिति और खराब है। इन तमाम रिपोर्टों से जाहिर है कि नए साल और आने वाले भविष्य में पर्यावरणीय चुनौतियां और भी गंभीर होंगी। इसकी फिक्र नेताओं और राजनीतिक दलों को नहीं है। उन्हें यदि फिक्र है तो ऐसे तात्कालिक मुद्दों की जिनसे वोट बटोरा जा सके। देश चलाने वालों ने वक्त रहते इन समस्याओं के प्रति यदि गंभीर रुख नहीं अपनाया तो यह हालात देश को भयानक अंधकार की तरफ ले जाने वाले साबित होंगे।

हंस कर जीने का रहस्य - टेंशन के दौर में भी अंदर से मजबूत क्यों रहते हैं खुशदिल लोग, और कैसे वही समाज की असली ताकत बन जाते हैं?

हंसते और मुस्कुराते हुए लोगों को गौर से देखिए, तो दिल में उनकी तरह ही भावना उमड़ने लगती है। ऐसे लोगों के पास कुछ पल ठहर कर वहां से जब भी लौटिए, तो उदास जिंदगी भी आनंदित लगने लगती है। दार्शनिक शेख सादी ने भी 'खुशदिल' शब्द को गढ़ते हुए इसका ध्यान रखा था कि इसे सही समझा जाए। अल्बर्ट आइंस्टाइन को खुश और मदमस्त देख कर लोग हैरत में पड़ जाते थे। सच ही है, एक बार तो यह सवाल जेहन में पैदा होता ही है कि जो लोग ऐसे अंदाज में रहते हैं, वे अपने विचार कैसे संतुलित कर पाते होंगे।

सही कहा जाए, तो यह जीवन सुख और दुख का मिश्रण है। इस मिश्रण में अपने आसपास हंसी और खुशी के पल निर्मित करने वाले लोग ही सही मायने में सच्चे और अच्छे होते हैं। यही लोग बगैर किसी आडंबर या दिखावे के किसी का भी दिल जीत लेते हैं। खुश रहने वाले कई कारणों से चर्चा में भी रहते हैं। ये लोग जरा-सी बात पर कष्ट तकलीफ और तनाव का रोना लेकर नहीं बैठे रहते। मगर इनकी बातों में छोटी-छोटी खुशियों का जिक्र जरूर होता है।

ये लोग मौसम सुहावना होने पर, किसी मित्र का बहुत दिनों बाद फोन आने पर या गमले में उगे पौधे पर फूल खिल जाए, तो भी झूम-झूम कर नाचने लगते हैं। मानो कोई लाटरी लग गई हो। इनके दिल में सकारात्मकता का ऐसा साम्राज्य रहता है कि खुशी और हंसी खुद आकर इनको गले से लगा लेती है।

इसीलिए खुशदिल और हंसते हुए लोग अपने समाज की जान बन जाते हैं। लोग भले ही किसी शानदार दावत में जाने से मना कर देंगे। मगर इन भले लोगों के साथ बैठने के लिए दस बहाने खोजते हैं। इनके पास से उठ कर जाना नहीं चाहते। क्योंकि इनको तो शब्द भी नहीं चाहिए। ये तो आंखों से बोलते हैं, और जब मौखिक रूप से बोलते हैं, तो ऐसा बोलते हैं कि समां बंध जाता है। ये लोग अच्छाई के ही पक्ष में रहते है। किस माटी के बने होते होंगे ये संतोषी और खुश लोग? मन पूछता तो है।

कौरवों से जुएं में अपना सब कुछ हार कर पांडव दर-दर की ठोकरें खा रहे थे। ऐसे में भी पांडव अपना धर्म-कर्म नहीं भूलते थे। एक दिन, जब युधिष्ठिर पूजा करके उठे, तो द्रौपदी उनके पास आईं और कहने लगीं- 'महाराज, आप इतना भजन-पूजन करते हैं। भगवान के निकट समझे जाते हैं। आप उनसे यह क्यों नहीं कहते कि वे हमारे संकट दूर कर दें?'

युधिष्ठिर सहजता से बोले- 'सुनो द्रौपदी, मैं परमात्मा का भजन किसी सौदे के लिए नहीं करता, बल्कि यह भजन-पूजन तो मैं मन की खुशी, सुकून और आत्मिक आनंद के लिए करता हूं। प्रकृति ने ये पर्वत और नदियां बनाई हैं। हम इन्हें देख कर आनंदित होते हैं। ये जो कुछ भी देती हैं, वे स्वयं प्रदान करती हैं। इसी प्रकार, भगवान के भजन कर मैं स्वयं आनंदित होता हूं और उस समय उत्पन्न हुई प्रसन्नता ही मुझे परिस्थितियों से निपटने की क्षमता प्रदान करती है। यदि मैं अपने पूजा-पाठ के बदले भगवान से कुछ मांगूंगा, तो यह मेरी श्रद्धा नहीं, बल्कि भगवान से सौदेबाजी होगी।'

इस प्रसंग में गहरी बात है। संदेश है। दरअसल, यह प्रसंग नहीं, जीवन को हल्का-फुल्का बनाए रखने का मूलमंत्र है। महान दार्शनिक प्लूटो कहते हैं कि हमारा यह जीवन हमारे विचारों की ही अभिव्यक्ति है। यानी विचार खुशदिल, तो जीवन भी खुशी से भरा हुआ। एक बार रवींद्रनाथ टैगोर के पैर में फोड़ा हो गया। शिष्य उनके पास आकर संवेदना जताने लगे। गुरुदेव गीत गा रहे थे। सभी को अचरज हुआ।

गुरुदेव बोले कि मुझे फोड़ा नही हुआ। मेरे पैर को हुआ। मैं तो आनंद में हूं। तुम मेरी फिक्र मत करो। दस दिन बाद संगीत उत्सव है। उसकी तैयारी पर ध्यान दो। छात्र उनकी बात सुन कर गदगद हो गए। कितनी प्यारी बात है कि ऐसे लोगों के भीतर दर्द में भी आह नहीं, बल्कि जीने की चाह है।

फ्रांस में नोके नामक संत थे। वहां के राजा चार्ल्स उनकी विद्वता के बहुत कायल थे और उन्हें सम्मानित कर अपने दरबार में लाना चाहते थे, लेकिन जब नोके इसके लिए तैयार नहीं हुए, तो राजा स्वयं उनके मठ में पहुंच गए। वहां धर्म के साथ-साथ कई अन्य विषयों पर वार्तालाप हुई। राजा ने उनसे कुछ राजनीतिक विषयों पर भी सलाह ली।

दरबारियों को यह सब अच्छा नहीं लगा। मुख्य सलाहकार तो नोके का अपमान करने को तैयार हो गया। अगले दिन, जब नोके राजा और अन्य संभ्रांत नागरिकों के साथ गिरजाघर में प्रार्थना कर रहे थे, तो वह सलाहकार क्रोधित होकर आया और नोके को अपशब्द कहे, 'तुम बड़े विद्वान और ईश्वर के निकट माने जाते हो। क्या तुम मुझे बता सकते हो कि ईश्वर इस समय क्या कर रहे हैं?'

संत ने तुरंत मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'पुत्र, इस समय पृथ्वी पर जो लोग हंस कर जी रहे हैं, वह उन्हें उन्नत कर रहे हैं और जो शिकायती तथा कलेशी हैं, उन्हें वह तुरंत ही नीच बना रहे हैं।' संत की मधुर वाणी में संयमित जवाब सुन कर उस अहंकारी सलाहकार का सारा घमंड चूर-चूर हो गया। इसीलिए हंस कर जीने का अपना एक अलग ही दर्शन होता है। यह सेहतमंद मन की निशानी है। इसलिए तो खुशदिल मरीज से चिकित्सक भी कहते है कि चिंता की बात नहीं है आप जल्द स्वस्थ हो जाएंगे। इसलिए खुशदिल होने का अपना एक अलग ही आनंद है।

जिंदगी का आईना हंस कर देखने में साफ नजर आता है। सतरंगी दुनिया के हर रंग उदासी में बदरंग नजर आते हैं। सौभाग्य आंखें चुराने लगता है। जरा ठीक से देखो, तो यह जीवन इतना भी जटिल नहीं है। बस उदास मन से की गई यात्राएं जरूर कठिन होती हैं। जरूरत है मन के ठहराव की। अगर एक बार हम ठहर गए, तो भटकाव का प्रश्न नहीं उभरेगा। फिर हंसते हुए जीवन यात्रा मंजिल तक पहुंचेगी और यही जीवन की सच्ची यात्रा भी होगी।

हामिद का चिमटा और आज का बचपन, क्या हम बच्चों से उनका सबसे जरूरी हिस्सा छीन रहे हैं?

मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'ईदगाह' का पात्र हामिद आज भी हम सबकी स्मृति में है। याद कीजिए हामिद के हाथ में खिलौने नहीं हैं। उस पर मेले की चमक-दमक का दबाव तो है, फिर भी वह अपनी दादी अमीना की अंगुलियों को चूल्हे की आग से बचाने के लिए लोहे का चिमटा खरीदता है। उस उम्र में हामिद पर न तो 'अच्छा प्रदर्शन' करने का दबाव है, न दूसरों से आगे निकलने की होड़। उसकी समझ, संवेदना और परिस्थिति ही उसका मार्गदर्शन करती है।

इस कहानी में मेले का यह प्रसंग हमें याद दिलाता है कि बचपन मूलतः तुलना, प्रतिस्पर्धा और परिणाम का नहीं, बल्कि समझ, सहानुभूति और धीरे-धीरे सीखने का समय होता है। मगर आज का बचपन उस हामिद से बहुत दूर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां बच्चों से उम्मीद की जाती है कि वे कम उम्र में ही हर मोर्चे पर बेहतर साबित हों। यहीं से यह सवाल उठता है कि क्या हम बच्चों से वह छीन रहे हैं, जो बचपन का सबसे जरूरी हिस्सा है। बेहतर करने के दबाव ने आज के बच्चों की मानसिक स्थिति पर गहरे से वार किया है।

आज बच्चों पर 'अच्छा करने' का दबाव केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित नहीं रह गया है। विद्यालय, घर और समाज तीनों जगह उनसे निरंतर बेहतर साबित होने की उम्मीद की जाती है। बेहतर अंक, बेहतर रैंक, बेहतर स्कूल, बेहतर करिअर, यह क्रम बचपन को भी एक अंतहीन दौड़ में बदल देता है। समस्या यह नहीं है कि बच्चों से मेहनत की अपेक्षा की जाती है। समस्या यह है कि असफलता को सीख नहीं, बल्कि कमजोरी मान लिया जाता है। यही सोच धीरे-धीरे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती है।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण और अन्य अध्ययनों से संकेत मिलता है कि भारत में बच्चों और किशोरों में चिंता, अवसाद तथा तनाव से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका एक बड़ा कारण लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहने का दबाव है। बच्चे अपने आप को केवल परिणामों के आधार पर आंकने लगते हैं। पढ़ाई में पिछड़ना, किसी परीक्षा में असफल होना या अपेक्षित स्तर तक न पहुंच पाना उन्हें स्वयं के प्रति अत्यधिक कठोर बना देता है। उम्र के साथ यह दबाव अपना रूप बदलता है। प्राथमिक स्तर पर बच्चों से अपेक्षा होती है कि वे अनुशासन में रहें, जल्दी सीखें और हर काम सही ढंग से करें। इस उम्र में बच्चा अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाता, इसलिए उसका तनाव व्यवहार में दिखता है, चिड़चिड़ापन, चुप्पी या डर के साथ वह जीने लगता है। आगे की कक्षाओं में पहुंचते-पहुंचते उसकी तुलना और प्रतिस्पर्धा और तेज हो जाती है। सहपाठियों से आगे निकलने की दौड़, कोचिंग और अतिरिक्त कक्षाओं का बोझ बच्चों की सहज जिज्ञासा को भी दबाने लगता है। किशोरावस्था में यह दबाव और गहरा हो जाता है। बोर्ड परीक्षा, कालेज में दाखिला और करिअर की चिंता बच्चों को घेर लेती है।

राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के मामलों में 15-29 वर्ष का आयु वर्ग सबसे अधिक प्रभावित है और इनमें शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में असफलता तथा अपेक्षाओं का बोझ प्रमुख कारणों में शामिल हैं। लड़कियों के संदर्भ में यह समस्या और जटिल है। पढ़ाई के साथ-साथ उनसे सामाजिक अपेक्षाएं भी जुड़ जाती हैं, संयम, सुरक्षा, जिम्मेदारी और कई बार घरेलू कार्यों का बोझ उनके लिए लड़कों से ज्यादा दबाव में डालने लगता है। आंकड़े बताते हैं कि देश में किशोरियों में खून की कमी और पोषण की समस्या व्यापक है, जिसका सीधा असर सीखने की क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसके बावजूद लड़कियों के मानसिक तनाव और दबाव पर चर्चा नहीं होती।

बच्चों की दुनिया अब पहले जैसी नहीं रही। खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं हैं। फिटनेस, योग, मार्शल आर्ट और यहां तक कि 'ई-स्पोर्ट्स' भी बच्चों को अपनी क्षमता पहचानने के नए अवसर दे रहे हैं। इसी तरह मोबाइल और डिजिटल तकनीक को केवल भटकाव मानना वास्तविकता को नजरअंदाज करना है। आनलाइन कक्षाएं, शैक्षणिक ऐप, डिजिटल पुस्तकालय और कौशल-आधारित मंच सीखने के तरीके बदल चुके हैं।

पढ़ाई अब केवल किताब और परीक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि समझ, प्रयोग और रचनात्मकता को भी महत्त्व मिलने लगा है। इन बदलावों के बीच सबसे बड़ा सवाल माता-पिता की सोच से जुड़ा है। पुराने पैमानों यानी अंक, रैंक और तुलना से बच्चों की क्षमता को आंकना आज के समय के साथ मेल नहीं खाता। हर बच्चा एक जैसा नहीं सीखता, न ही एक दिशा में आगे बढ़ता है।

किसी बच्चे की रुचि खेल में है, किसी की कला में, किसी की तकनीक में। यह अभिवावक को समझना होगा। जब माता-पिता बच्चों को केवल एक तय ढांचे में फिट करने की कोशिश करते हैं, तो वही दबाव जन्म लेता है, जो आगे चल कर तनाव और असफलता का कारण बनता है। सरकार और शैक्षणिक संस्थान भी अब इस समस्या को पहचानने लगे हैं। स्कूलों में परामर्श, हेल्पलाइन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों की शुरुआत एक सकारात्मक संकेत है। मगर संस्थागत प्रयास तब तक पर्याप्त नहीं हो सकते, जब तक घर का वातावरण सहयोगी न हो। बच्चे सबसे पहले घर में सुरक्षित महसूस करना चाहते हैं, जहां वे बिना डर के अपनी बात कह सकें, अपनी असफलताओं को साझा कर सकें।

आप सोच कर देखिए कि एक छात्र जो विज्ञान की किताबों से इतर मिट्टी के खिलौने बनाते हुए ज्यादा खुश हो रहा है, उसका पारिवारिक माहौल क्या होगा? इसी तरह संगीत में डूबे रहने वाले एक बच्चे के माता-पिता अगर उसी पुरानी सोच के आधार पर बच्चे से कुछ अलग की उम्मीद करेंगे, तो यह उसका मानसिक शोषण ही होगा।

इसलिए बच्चों पर अलग से बोझ नहीं डालना चाहिए। उन्हें यह अवसर दें कि वे वही करें, जिसमें उनकी स्वाभाविक रुचि और क्षमता है, क्योंकि हर बच्चे का सीखने और आगे बढ़ने का तरीका अलग होता है। इसका अर्थ यह नहीं कि बच्चों को पूरी तरह बिना दिशा के छोड़ दिया जाए। उन्हें मार्गदर्शन और निगरानी की भी आवश्यकता होती है, लेकिन यह निगरानी नियंत्रण या डर के माध्यम से नहीं, बल्कि समझ और संवाद के माध्यम होनी चाहिए। जब बच्चे यह महसूस करते हैं कि उनकी बात सुनी जा रही है और उनके निर्णयों में भरोसा रखा जा रहा है, तब वे दबाव में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं और अपनी जिम्मेदारियों को भी बेहतर ढंग से समझ पाते हैं।

ऐसे में बच्चों और माता-पिता के बीच संवाद और भरोसा सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। अनुभव और उत्साह के बीच संतुलन तभी संभव है, जब दोनों एक-दूसरे को सुनें और समझें। 'हामिद' को फिर से याद कीजिए, उसके पास विकल्प बहुत थे, लेकिन उसने अपनी परिस्थिति के अनुसार खुद की जरूरत चुनी थी।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत जनपद में ड्राफ्ट मतदाता सूची का हुआ वाचन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भारत निर्वाचन आयोग एवं कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत आज 18 जनवरी 2026 को जनपद भदोही की तीनों विधानसभा क्षेत्रों–392 भदोही, 393 ज्ञानपुर एवं 394 औराई–के समस्त मतदेय स्थलों पर ड्राफ्ट मतदाता सूची का वाचन पूर्वाह्न 11बजे से सायं 4 बजे तक किया गया।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार की उपस्थिति में विधानसभा-392भदोही के प्राथमिक विद्यालय भानीपुर के बूथ 07, 08, उच्च प्राथमिक विद्यालय कुढवा बूथ 08, 09, 10 व अन्य मतदेय स्थलों बूथ पर बीएलओ द्वारा जनसामान्य एवं बूथ लेवल एजेंटो के समक्ष ड्राफ्ट सूची पढ़कर सुनाया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि आलेख्य मतदाता सूची में सम्मिलित न हो पाने वाले ऐसे मतदाता, जिनके नाम मृतक /स्थानांतरित / अनुपस्थित / दोहरी प्रविष्टि / गणना प्रपत्र हस्ताक्षर कर एसआईआर को वापस न देने के कारण आलेख्य मतदाता सूची से कट गए हैं, जनपद के तीनों विधानसभाओं के सभी मतदेय स्थलों पर उनके नाम भी पढ़कर सुनाए गए। उन्होंने जनपद के सभी नागरिकों से अपील भी किया कि अपने बूथ पर जाकर आलेख्य मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें। उन्होंने बताया कि यदि आपका नाम आलेख्य मतदाता सूची में नहीं है, तो घोषणा पत्र के साथ फॉर्म-6 भरकर अपने बीएलओ को जमा करें अथवा voters.eci.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें। यदि आप

आलेख्य मतदाता सूची में अंकित अपनी प्रविष्टि में त्रुटि के कारण कोई संशोधन करवाना चाहते हैं, तो फॉर्म 8 भरें।

अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम मे दिनांक 06.01.2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची को जनपद मे अवस्थित समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बी0एल0ओ0 द्वारा अपने मतदेय स्थल पर पढ़कर सुनाया गया है। उक्त कार्यक्रम के दौरान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों से सम्बन्धित समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्रत्येक मतदेय स्थल पर फार्म-6, 7, 8 एवं घोषणा पत्र की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गयी है।

उक्त के साथ ही जिन मतदाताओं के नाम आलेख्य मतदाता सूची में नहीं हैं, उनसे फार्म-6 एवं घोषणा पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज सम्बन्धित बी0एल0ओ0 को उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया है। जनसामान्य के अवलोकन हेतु आलेख्य मतदाता सूची की पी.डी.एफ. जनपद भदोही की वेबसाइट www.bhadohi.nic.in पर भी अपलोड की गयी है। यदि उक्त मतदाता सूची में किसी निर्वाचक का नाम छूट गया है अथवा कोई संशोधन अपेक्षित है तो सम्बन्धित मतदाता फार्म-6 मय घोषणा पत्र (नए मतदाताओं के लिए), फार्म-7 (मतदाता सूची से नाम अपमार्जन हेतु) एवं फार्म-8 (मतदाता सूची में प्रविष्टि में संशोधन अथवा स्थानान्तरण किये जाने हेतु) में पूर्ण विवरण भरकर एवं आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर बी.एल.ओ. को उपलब्ध करा दें।'

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत दर्जनों गांवों में चौपाल, कानून को पुनः बहाल करने की मांग

मंत्र भारत संवाददाता

ज्ञानपुर। मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत आज जनपद के दर्जनों गांवों में चौपाल लगाकर केंद्र व प्रदेश सरकार से मनरेगा कानून को उसकी मूल भावना के अनुरूप पुनः बहाल करने की मांग की गई।

अभोली ब्लॉक की ख्योखर अभोली ग्राम सभा, ज्ञानपुर ब्लॉक के देवनाथपुर व पाली ग्राम सभा तथा भदोही ब्लॉक की रयां ग्राम सभा में आयोजित चौपालों को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी भदोही के अध्यक्ष वसीम अंसारी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दुबे 'राजन' ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण मनरेगा लगातार कमजोर किया जा रहा है। मजदूरों को समय पर काम और मजदूरी नहीं मिल पा रही है, जो गरीबों के अधिकारों पर सीधा हमला है। कांग्रेस पार्टी मनरेगा को बचाने और मजबूत करने के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। इस अवसर पर राजेश्वर दुबे त्रिलोकीनाथ बिन्द, राजेंद्र प्रसाद, लल्लू प्रजापति इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

कर्म पथ के सजग और मौन प्रहरी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावा जब किसी सामाजिक और शैक्षणिक कार्यक्रम की बात आती है तो, किसी विद्यालय या शिक्षक का चेहरा सामने आता है, लेकिन जब कोई व्यक्ति या संगठन किसी सामाजिक सरोकार से जुड़ता है, और वह उसका जुनून हो जाता है, तो सिर्फ काम बोलता है। ऐसा ही कुछ कर रही है, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सुरियावां की युवा टीम ।आज इसी प्रकार के कार्यक्रम में हरिहरपुर के नोडल संकुल और राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सुरियावां के संयुक्त महामंत्री वेद प्रकाश ने राष्ट्रीय आविष्कार के ब्लॉक चैंपियन बच्चों को कंपोजिट विद्यालय लालीपुर में सामान्य ज्ञान की पुस्तकों का वितरण करके किया।मकसद साफ है, बच्चा आगे की प्रतियोगिता के लिए तैयार मिले। उनका कहना है अपने वेतन से बच्चों के लिए कुछ करके खुशी मिलती है।इस प्रकार के सहयोग से बच्चे नित नई ऊंचाईयों को छू रहे हैं।पिछले 30 दिसंबर को इसी संगठन ने अपने स्थापना दिवस पर बी आर सी पर इसी तरह अपने ब्लॉक अध्यक्ष और महामंत्री के नेतृत्व में वृक्षारोपण का कार्य भी किया था। इस संगठन के जनपद स्तरीय कार्यक्रम भी सामाजिक, शैक्षणिक, और राष्ट्रीय सरोकार से जुड़े रहते हैं। आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वेद प्रकाश रघुवंशी, ए आर पी और राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सुरियावां के ब्लॉक महामंत्री देवेंद्र कुमार मिश्र, एस आर विनय शंकर पाण्डेय, पूर्व ए आर पी विजय गुप्ता सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।बिना किसी शोर शराबे और दिखावे के कर्म पथ पर चलते रहना ही इनकी पहचान है, और सदैव परहित ही इनका उद्देश्य ।ऐसे कर्मयोगियों को साधुवाद।

स्वास्थ्य अनमोल धन है-इश्तियाक अहमद

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से भदोही साइकिलिंग क्लब द्वारा रविवार को निकाली गई विशाल साइकिल यात्रा ने जन जागरूकता की नई मिसाल कायम की । इस प्रेरणादायक अभियान का नेतृत्व क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने किया जिनकी सोच और संकल्प ने युवाओं से लेकर समाजसेवियों तक एक मंच पर लाकर पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवन शैली का संदेश दिया ।

गोपीगंज राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से शुरू हुई साइकिल यात्रा को वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एस एस यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साइकिल यात्रा आरंभ होकर पड़ाव, गेराई, कौलापुर होते हुए गहरपुर में समाजसेवी इश्तियाक अहमद के आवास पर पहुंची।

वहां पहुंचने पर समाजसेवी इश्तियाक अहमद ने सभी साइकिल चालकों का फूलमाला और तालियों से जोरदार स्वागत किया गया।

इश्तियाक अहमद ने कहा कि आपका स्वास्थ्य अनमोल धन है। बाकी जरूरी कामों के साथ प्रतिदिन आधे घंटे का योग व्यायाम अवश्य करना चाहिए। अगर हम स्वस्थ रहेंगे तभी अपने काम को अच्छे ढंग से कर पाएंगे और परिवार की अच्छी देखभाल कर पाएंगे । भदोही साइकिलिंग क्लब का कार्य बहुत ही सराहनीय और प्रशंसनीय है जो गांव-गांव जाकर लोगों को शरीर को स्वस्थ और पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संदेश दे रहे हैं।

इश्तियाक अहमद ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल यात्रा को रवाना किया और स्वयं साइकिल लेकर यात्रा में शामिल हुए ।

साइकिल यात्रा पुनः आरंभ होकर गहरपुर, धनापुर उत्तरी, धारा विशंभरपट्टी, मदनपुर के आस पास का भ्रमण करते हुए वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ, वृक्षों की जब करोगे रक्षा, तभी बनेगा जीवन अच्छा, हिंदुस्तान जिंदाबाद, स्वस्थ रहे मस्त रहे, करो योग रहो निरोग, हम सबने ये ठाना है पुरे उत्तर प्रदेश को स्वस्थ बनाना है, सुबह की हवा सौ रोगों की दवा, भारत माता की जय, वन्दे मातरम का नारा लगाते हुए लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के बारे में जागरूक करते हुए गहरपुर में इसका समापन हुआ। साइकिल यात्रा में राम श्रंगार चौधरी, जुल्फेकार अली, प्रवीण श्रीवास्तव, सद्दाम हुसैन, इश्तियाक अंसारी, ऋषभ यादव, वकील अहमद, हाफिज सलाउद्दीन, बनारसी बिंद, राजू बाजीगर, जावेद हाशमी, ताज अली, प्रमोद मौर्या, सरफराज अहमद, जिगर गुप्ता, महमूद आलम, राजीव जायसवाल, अबरार हाशमी, पंकज सिंह, मैनुद्दीन, फैज अंसारी, कमलेश कश्यप, मोहम्मद इमरान, कार्तिक सुनील, अजान खान, जगदीश यादव, नक्श कश्यप, अबू हुरैरा, रितिक कनौजिया, फैज शेख, आशीष बिंद, रईस अहमद, उज्जवल गुप्ता, नाकीउद्दीन शेख, हिमांशु बिंद, शहजाद शेख, नैतिक कनौजिया, अजीत यादव सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

पुलिस उपमहानिरीक्षक ने थाने का निरीक्षण कर चौकीदारों में वितरण किया कम्बल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के इटवा थाने का पुलिस उपमहानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी द्वारा औचक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, मालखाना, साइबर हेल्पडेस्क, मिशन शक्ति केन्द्र, सीसीटीएनएस कार्यालय, बंदीगृह, थाना परिसर आदि का निरीक्षण किया गया एवं थाना कार्यालय के अभिलेखों का निरीक्षण कर सभी प्रविष्टियां अद्यावधिक करने,कार्यालय/थाना परिसर की साफ सफाई प्रतिदिन कराने व लंबित विवेचनाओं/एहकामातों के समयबद्ध निस्तारण तथा थाना परिसर में खड़े माल मुकदमाती,लावारिस आदि वाहनों का निस्तारण ऑपरेशन क्लीन के तहत कराने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर डीआईजी बस्ती द्वारा ग्राम चौकीदारों से संवाद स्थापित करते हुए उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों का बोध कराया गया, साथ ही क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखने एवं समय पर सूचनाओं से अवगत कराने हेतु उन्हें प्रेरित किये।

साइबर सेल की तत्परता से पीड़ित को मिली राहत, 33, 500 रुपये वापस

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।जनपद में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में भदोही पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक के कुशल निर्देशन में साइबर सेल ज्ञानपुर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी का शिकार हुए पीड़ित के खाते में 33, 500 रुपये की धनराशि वापस कराई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बा गोपीगंज निवासी इम्तियाज अहमद के खाते से 35, 000 रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली गई थी। पीड़ित द्वारा तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई गई। पोर्टल के माध्यम से शिकायत मिलते ही साइबर सेल ज्ञानपुर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अथक प्रयास कर फ्रॉड की गई 33, 500 रुपये की धनराशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी।

अपने खाते में धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक भदोही, अपर पुलिस अधीक्षक तथा साइबर सेल ज्ञानपुर टीम का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए भदोही पुलिस की सराहना की।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जनपदवासियों से अपील की है कि साइबर ठगी की किसी भी घटना में तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं तथा अज्ञात लिंक, एप और कॉल से सावधान रहें।

इस कार्रवाई में साइबर सेल ज्ञानपुर टीम के प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल देवानन्द सिंह एवं महिला कांस्टेबल पूजा यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महर्षि आज़ाद राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का जिपं अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

उद्घाटन मैच में बांदा ने पडरौना को हराया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। तेजधर ब्रह्म बाबा खेल समिति के तत्वावधान में आयोजित महर्षि आज़ाद राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ रविवार को महर्षि आज़ाद स्टेडियम, मेढ़ी में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल भावना के साथ खेलने का आह्वान किया तथा आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला पडरौना और बांदा जनपद की टीमों के बीच खेला गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी स्टेडियम पहुंचे। टॉस जीतकर बांदा के कप्तान ने पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए पडरौना की टीम ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 152 रन बनाए। पडरौना की ओर से अमन तिवारी (42 रन), विवेक (34 रन) और सुजीत (23 रन) ने उपयोगी पारियां खेलीं।

बांदा की ओर से गेंदबाज़ी में शिव और धीरज मिश्रा ने दो-दो विकेट चटकाए, जबकि अमित, विक्की और सलमान को एक-एक सफलता मिली।

153 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांदा की टीम ने सलमान के शानदार अर्धशतक की बदौलत 19 ओवर में 7 विकेट खोकर 155 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। सलमान के अलावा अमित सिंह (29 रन) और गुड्डू (24 रन) ने भी अहम योगदान दिया। पडरौना की ओर से गेंदबाज़ी में दिग्विजय को तीन विकेट, जबकि अमन मेहताब और सुजीत को एक-एक विकेट मिला।

इस अवसर पर चीफ ऑर्गनाइज़र प्रतीक महर्षि दुबे, संजय श्रीवास्तव, अमर बहादुर सिंह, कृष्णावतार त्रिपाठी 'राही', डॉ. अजय कुमार पांडेय, राजेन्द्र प्रसाद सिंह, विजय शंकर राय, राजमणि पांडेय, राजकुमार सरोज, माता स्वरूप शुक्ला, स्वरूपा बिंद, नागेंद्र उपाध्याय, निशान्त पाठक, जटाशंकर दुबे, विवेक दुबे, जेपी सिंह, रामजीत यादव, श्याम बहादुर यादव, दिनेश यादव 'दादा', परमेंद्र गौतम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग व खेल प्रेमी मौजूद रहे।

मैच के समापन पर आयोजकों ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों और दर्शकों के प्रति आभार भी व्यक्त किया। प्रतियोगिता का अगला मुकाबलाआजाद स्पोर्ट्स क्लब जूनियर बनाम सतना व वाराणसी बनाम प्रतापगढ़ के बीच खेला जाएगा।

थाना ज्ञानपुर क्षेत्र अंतर्गत सेंट थॉमस स्कूल ज्ञानपुर, के वार्षिकोत्सव/ प्रदर्शनीय कार्यक्रम में शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा इस विद्यालय के वार्षिक उत्सव के अवसर पर सम्मिलित होकर संदेश दिया गया। विद्यालय में आयोजित होने वाले इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों का मानसिक व बौद्धिक विकास होता है। बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और उनका आज के नवीन शिक्षा प्रणाली व तकनिकी के प्रति आकर्षण बढ़ाने के लिए यह जरूरी है कि उनको वैज्ञानिक, रचनात्मक व नवीन तकनीकी विकास जैसी गतिविधियों में प्रतिभाग कराया जाए।

सीएमओ द्वारा मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का किया गया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला, प्रा0स्वा0केन्द्र कटरा मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही डॉक्टर संतोष कुमार चक्र द्वारा प्रा0स्वा0केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरान्त कन्डोम बाक्स में कन्डोम नही भरा गया था । आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ए0एन0एम0 एवं सी0एच0ओ0जिसकी रोस्टर के अनुसार ड्युटी लगी है। उन्हे आयुष्मान कार्ड 15 जनवरी, 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक बनाने हेतु निर्देशित करना सुनिश्चित करें। एल0टी0 को बलगम की जांच निषय पोर्टल पर फीड करने हेतु तथा 22 जांचो मे से 11 जांचे उक्त केन्द्र पर किया जाता है अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिकत्म जांच किये जाने हेतु एल0टी0 को निर्देशित किया गया।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला, प्रा0स्वा0केन्द्र सेमराध- आज दिनांक 18.01.2026 को अपरान्ह 3.20 बजे प्रा0स्वा0केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरान्त अधोहस्ताक्षरी के संज्ञान में लाया गया कि उक्त केन्द्र पर आज आंगनवाडी कार्यकर्ता नही आयी थी। ए0एन0एम0 एवं आशा तथा आशा संगिनी द्वारा उक्त मेंले में प्रतिभाग किया गया था।

जनता दर्शन में आए पारिवारिक संपत्ति विवाद का डीएम व एसपी ने कराया समाधान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। विकासखंड अभोली के ग्राम पंचायत पांडेयपुर, थाना सुरियावां क्षेत्र अंतर्गत पारिवारिक संपत्ति विवाद का जिला प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त पहल से स्थायी समाधान करा दिया गया। यह मामला जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के समक्ष जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रस्तुत किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी बातों को सुना गया और आपसी समझाइश के माध्यम से विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाया गया। अधिकारियों के हस्तक्षेप से दोनों पक्ष आपसी सहमति पर पहुंचे, जिससे लंबे समय से चला आ रहा विवाद समाप्त हो गया।

प्रशासन की इस त्वरित व संवेदनशील कार्रवाई से क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द का वातावरण बना है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और पुलिस की पहल की सराहना की है।

ग्रामीण विकास और रोजगार में क्रांतिकारी बदलाव है वीबी राम - डॉ. विनोद बिंद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना वीबी राम (विकसित भारत-रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण) को ग्रामीण विकास और रोजगार के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव बताते हुए सांसद डॉ . विनोद बिंद ने कहा कि यह योजना गांव के अंतिम व्यक्ति तक स्वरोजगार और आजीविका के साधन पहुंचाने का मजबूत माध्यम है। योजना को धरातल पर उतारने और इसका लाभ जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को औराई विकासखंड के चंद्रपुरा में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में सांसद डॉ. विनोद बिंद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई राम योजना ग्रामीण भारत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं बल्कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किए बिना विकसित भारत का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता और राम योजना इसी दिशा में मील का पत्थर साबित होगी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पुत्र /पुत्री के लिए संचालित अटल आवासीय विद्यालय गुरमुरा जनपद सोनभद्र में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6 एवं 7 में आवेदन किए जा रहे इसके लिए श्रम विभाग ज्ञानपुर भदोही से भी आवेदन प्राप्त कर सकते हैं । इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि संजय बिंद, इंद्रजीत तिवारी, सुनील बिंद, दशरथ प्रधान, शिवम तिवारी, नितेश दीक्षित, शरद पांडे, राजाराम सिंह, ज्योति कुमारी आदि मौजूद रहे।

प्रदेश में नमाज पढ़ने पर 12 लोग गिरफ्तार! सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बरेली जिले के बिशारतगंज थानाक्षेत्र के मोहम्मद गंज गांव में खाली पड़े एक मकान में "बिना प्रशासनिक अनुमति" के नमाज अदा करने के आरोप में पुलिस ने 12 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार खाली मकान में कथित तौर पर सामूहिक नमाज पढ़ने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था। पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अंशिका वर्मा ने बताया कि खाली पड़े मकान को अस्थायी रूप से मदरसे की तरह इस्तेमाल करके कई हफ्तों से सामूहिक जुमा की नमाज अदा किए जाने की जानकारी शनिवार को सामने आयी थी और सूचना मिलने के बाद पुलिस ने एहतियातन कार्रवाई की।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके से 12 लोगों का शनिवार को शांति भंग की धाराओं में चालान किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को शनिवार को ही मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई। उन्होंने बताया कि वहीं, पुलिस फरार तीन आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। वर्मा ने कहा कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार की नई धार्मिक गतिविधि या आयोजन करना कानून का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आमजन से शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में सामने आया कि उक्त खाली मकान हनीफ नामक व्यक्ति का है, जिसे अस्थायी मदरसे के रूप में उपयोग किया जा रहा था।

उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने लिखित अनुमति या वैध दस्तावेज मांगे, तो कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं किया जा सका। पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित मकान में लगातार जुमे की नमाज पढ़ी जा रही थी, जबकि इसके लिए किसी तरह की प्रशासनिक अनुमति नहीं ली गई थी। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम गांव पहुंची और मकान के अंदर चल रही सामूहिक नमाज को रुकवाया। इस मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें लोग खाली मकान के भीतर सामूहिक नमाज अदा करते दिखायी दे रहे हैं। पुलिस ने वीडियो को जांच में शामिल कर लिया है।

अकेले काशी ने देश की जीडीपी में 1.3 लाख करोड़ रूपये का योगदान किया है : सीएम योगी

वाराणसी **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद अब तक अकेले काशी ने देश की जीडीपी में 1.3 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया है। योगी ने कहा कि गत वर्ष काशी में 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उन्होंने काशी के समग्र विकास को देखा। यहां रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। आज काशी की सड़कें फोर-लेन से जुड़ गई हैं।

सीएम योगी ने कहा, काशी से ट्रेन सुविधाएं देश के विभिन्न हिस्सों के लिए बढ़ी हैं-वंदे भारत से लेकर अमृत भारत एक्सप्रेस और अन्य तमाम ट्रेनें शामिल हैं। (इनलैंड वाटरवेज) की सुविधा अगर कहीं शुरू हुई तो वाराणसी से हल्दिया के बीच ही प्रारंभ हुई। देश का पहला रोपवे प्रोजेक्ट भी वाराणसी में मूर्त रूप ले रहा है। काशी विश्वनाथ धाम के साथ ही आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े सभी स्थलों का संरक्षण करते हुए उन्हें नए कलेवर में प्रस्तुत करने का कार्य लगातार चल रहा है। उन्होंने कहा कि काशी की पहचान काशी विश्वनाथ मंदिर, अन्य पवित्र मंदिरों और मां गंगा से है। 2014 से पहले गंगा का जल आचमन तो दूर, स्नान करने लायक भी नहीं था। आज गंगा में आचमन भी किया जा सकता है और स्नान भी।

काशी की पहचान इसके घाट हैं। हर कोई कह सकता है कि 2014 से पहले काशी के घाटों की क्या दुर्दशा थी। आज वही घाट हर भारतीय को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पुरातन वैभव के साथ आधुनिक कलेवर में स्वच्छ और सुंदर दिखाई देते हैं। देश का सबसे बड़ा घाट-नमो घाट-काशी में पूरे देश को जोड़ने का माध्यम बन गया है। योगी ने कहा ' याद कीजिए, 2014 से पहले विश्वनाथ मंदिर में मुश्किल से 50 श्रद्धालु एक साथ दर्शन कर पाते थे। आज 50 हजार श्रद्धालु बड़े आराम से एक साथ आ सकते हैं। हर व्यक्ति आराम से दर्शन और अभिषेक कर सकता है।'

दबंगों ने राजधानी लखनऊ में की ताबड़तोड़ फायरिंग, इलाके में दहशत

लखनऊ **(एजेंसी)**। राजधानी के दुबग्गा इलाके में देर शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब चरक इंस्टीट्यूट क्षेत्र में ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना सामने आई। अचानक चली गोलियों की आवाज से पूरा इलाका गूंज उठा और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि 10 से 15 की संख्या में आए दबंगों ने बेखौफ होकर गोलियों की बौछार की और इसके बाद जमकर पथराव भी किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दबंग हथियारों से लैस होकर इलाके में पहुंचे और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही लोग अपने-अपने घरों में दुबक गए, वहीं सड़कों पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। फायरिंग के साथ-साथ पथराव किए जाने से कई वाहनों और आसपास की संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही दुबग्गा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेराबंदी कर शांत कराया। पुलिस ने मौके से खोखे बरामद किए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश या पुरानी दुश्मनी को घटना की वजह माना जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हालात अब नियंत्रण में हैं और दोषियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, ताकि किसी भी तरह की दोबारा घटना को रोका जा सके। इस ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना ने एक बार फिर राजधानी की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है और वे दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

मणिकर्णिका घाट की 'फर्जी' तस्वीरें शेयर करने का आरोप आप सांसद संजय सिंह और कांग्रेस के पप्पू यादव समेत 8 पर केस

लखनऊ **(एजेंसी)**। वाराणसी पुलिस ने मणिकर्णिका घाट पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों के बारे में सोशल मीडिया पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से निर्मित तस्वीरें, वीडियो और भ्रामक जानकारी प्रसारित करने के आरोप में आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह और कांग्रेस नेता पप्पू यादव सहित आठ लोगों के खिलाफ आठ प्राथमिकी दर्ज की हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गौरव बंसल ने बताया कि घाट पर चल रहे सौंदर्यीकरण और श्मशान सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से संबंधित मनगढ़ंत सामग्री फैलाने के आरोप में आठ व्यक्तियों और कुछ 'एक्स हैंडल' के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। वाराणसी के चौक थाने में शनिवार को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद 'आप' सांसद संजय सिंह ने पत्रकारों से कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र में मणिकर्णिका घाट को तहस नहस किया गया, मंदिरों को तोड़ा गया, काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराने वाली माता अहिल्याबाई होल्कर जी की प्रतिमा भी तोड़ी गई जिसका विरोध काशी के साधुओं ने किया, अहिल्याबाई होल्कर जी के परिवार ने किया। यहां तक कि लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन जी ने भी विरोध दर्ज कराया।

मछली फ्राई के स्टॉल पर मची अफरातफरी, प्लेटें लेकर भागते नजर आए बाराती

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हापुड़ जिले में एक शादी समारोह उस समय चर्चा का विषय बन गया, जब खाने के दौरान मछली फ्राई के स्टॉल पर अचानक अफरातफरी मच गई। गढ़ रोड स्थित मनोहर रीजेंसी में आयोजित इस विवाह समारोह में शुक्रवार रात हापुड़ देहात क्षेत्र के एक गांव से बारात पहुंची थी। जैसे ही मछली फ्राई परोसी जाने लगी, वहां लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और हालात बेकाबू हो गए।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मेहमान प्लेटें हाथ में लेकर स्टॉल पर टूट पड़े। हर कोई मछली का एक टुकड़ा पाने की होड़ में आगे बढ़ता नजर आया। धक्का-मुक्की के बीच कुछ लोग मछली लेकर तेजी से पीछे हटते दिखे, जबकि कई लोग भीड़ में संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते रहे। इस दौरान कुछ पल के लिए शादी समारोह का माहौल अव्यवस्थित हो गया।

इस अप्रत्याशित नजारे ने न सिर्फ मेहमानों बल्कि आयोजकों को भी हैरान कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद यह घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। कई यूजर्स ने इसे शादी समारोह में अव्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की कमी का उदाहरण बताया, जबकि कुछ लोगों ने इसे हल्के-फुल्के मनोरंजन के रूप में लिया।

हालांकि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन यह मामला आयोजन स्थलों पर बेहतर व्यवस्था और खान-पान के दौरान भीड़ नियंत्रण की जरूरत को उजागर करता है। फिलहाल, यह वायरल वीडियो हापुड़ में हुई इस अनोखी घटना की पहचान बन चुका है।

पोखर में मिली युवक की लाश परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के भवानीगंज थाना क्षेत्र के देईपार गांव निवासी 27 वर्षीय पिन्टू पुरी पुत्र स्वर्गीय शिवपुरी जो बीते दस जनवरी की रात से लापता था उसका शव इतवार की सुबह लोगों को पोखरे में उतराता दिखा।बताते चलें कि उक्त गांव में रामलीले का कार्यक्रम चल रहा था, बीते दस जनवरी की रात जिसका समापन था।जानकारी के अनुसार उक्त व्यक्ति रामलीला कार्यक्रम के समापन के दिन उक्त स्थान पर प्रसाद ग्रहण कर वहीं सो गया था।सुबह हुई तो लोगों को उसकी साल व चप्पल पोखरे के बाहर दिखाई दिया था।जिसकी बिना पर लोगों को यह प्रतीत हुआ था कि उक्त व्यक्त पोखरे में डूब गया है।घटना की सूचना लोगों द्वारा भवानीगंज पुलिस को दी गई सूचना पाकर थानाध्यक्ष भवानीगंज बृजेश सिंह मैं पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचे थे और गोताखोरों की मदद से काफी खोजबीन की गई लेकिन उक्त व्यक्ति नहीं मिल सका था।ऐसे में थानाध्यक्ष भवानीगंज द्वारा एसडीआरएफ टीम को सूचना दी गई सूचना पाकर बीते 13 जनवरी को एसडीआरएफ की टीम उक्त गांव में पहुंची थी

धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय राम राम दंगल में पहलवानों ने दिखाई अपनी ताकत

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज स्थित राप्ती नदी तट स्थित परशुराम वाटिका में मौनी अमावस्या पर लगने वाले मेले में धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में दो दिवसीय राम राम कुश्ती दंगल के दूसरे दिन पहलवानों ने अपनी ताकत की आजमाइश की। रविवार को आयोजित दंगल के दूसरे दिन नेपाल, भूटान राष्ट्र सहित कई प्रदेशों से आए पहलवानों ने कुश्ती के दांव-पेंच दिखाए। दंगल में पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को पटखनी दी। दंगल देखने के लिया हजारों हजार की संख्या में भीड़ जुटी रही। इस वर्ष दंगल में विभिन्न जगहों के 56 से अधिक पहलवानों ने ताल ठोक कर अपना दमखम दिखाया। पहले व दूसरे दिन के दंगल में 1100 रुपये से लेकर 21000 रुपए तक की 72 से अधिक कुश्तियां करवाई गई। जहां विजेता पहलवानों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। वही आए हुए अतिथियों को पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा मोमेंटो व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। दंगल के दूसरे दिन महामुकाबले का आयोजन हुआ, जिसमें शनिवार को विजयी हुए पहलवानों के बीच 16 कुश्ती हुई, जिसमें विजई पहलवानों के बीच क्वार्टर फाइनल, सेमी फाइनल और फाइनल कुश्ती मुकाबला हुआ, जिसमें फाइनल विजेता नरेश पहलवान को राम राम केसरी की उपाधि व 21 हजार रुपए का नगद राशि, गदा व मोमेंटो तथा उपविजेता सर्वेश तिवारी पहलवान को 51 सौ रुपए देकर पुरस्कृत किया गया। फाइनल में नरेश पहलवान पंजाब केशरी और सर्वेश तिवारी उत्तर प्रदेश केशरी के बीच काफी रोमांचक कुश्ती हुए जिसमें नरेश पहलवान विजई हुए और उन्हें राम राम केसरी की उपाधि दी गई।

दूसरे दिन के कार्यक्रम का आरम्भ मंडलायुक्त अखिलेश सिंह, सदर विधायक श्यामधनी राही, एडीएम गौरव श्रीवास्तव व पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने विधि विधान से पूजन के उपरांत फीता काटकर किया। दूसरे दिन की पहली कुश्ती में मंडलायुक्त अखिलेश सिंह, सदर विधायक श्यामधनी राही, एडीएम गौरव श्रीवास्तव ने पहलवानों का हाथ मिलवाकर दंगल शुभारंभ करवाया। दूसरे दिन की कुश्ती में 40 कुश्तियों में विजई पहलवानों को पुरस्कृत किया गया।दंगल में नेपाल, भूटान, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, अयोध्या, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, केरल सहित कई राज्यों के पहलवान सम्मालित हुए और इन्होंने कुश्ती के नये-नये दांव पेंच दिखाते हुए अखाड़े में खूब जोर आजमाइश की। पहलवानों के दांव, पेच कुश्ती को देखकर दर्शक काफी रोमांचित हुए।

राम राम केसरी के लिए विक्की, चिम चिम डोगरा, लक्की थापा, पंडित थापा, सर्वेश तिवारी, नरेश, शास्त्री, शमशेर आदि पहलवानों के बीच कुल 16 कुश्तियां कराई गई। जिसमें चिम चिम डोगरा व सर्वेश तिवारी के बीच में सर्वेश तिवारी विजई, नरेश व शमशेर के बीच नरेश पहलवान विजई, लक्की थापा व शास्त्री में लक्की थापा विजई, पंडित थापा व विक्की की कुश्ती बराबर पर छुटी जिस पर सिक्का उछालकर टास करने पर पंडित थापा विजई होकर क्वाटर फाइनल फाइनल में पहुंचे। फाइनल कुश्ती के पहलवानों का हाथ बस्ती मंडल के पुलिस महानिरीक्षक संजीव त्यागी, पुलिस अधिक्षक डा. अभिषेक महाजन, पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने मिलवाकर दंगल शुरू करवाया।

सेमी फाइनल में नरेश व लक्की थापा के बीच नरेश पहलवान विजई, पंडित थापा व सर्वेश तिवारी के बीच में पंडित थापा ने काफी मशक्कत के बाद बिना हारे ही सर्वेश तिवारी को विजई बना दिया। इस दौरान कुश्ती दंगल देखने आई भीड़ ने तालियों की गड़गड़ाहट से पहलवानों का उत्साहवर्धन किया। पुलिस महानिरीक्षक संजीव त्यागी, पुलिस अधिक्षक डा. अभिषेक महाजन ने युवाओं को पहलवानों से प्रेरणा लेने की बात कही।

पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि भारतीय प्राचीन खेलों में से दंगल एक महत्वपूर्ण खेल है। दंगल की परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। ग्रामीण क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने व युवाओं में देश भक्ति की भावना का संचार करने हेतु ऐसे आयोजन आवश्यक हैं। कुश्ती करने से युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है, कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन युवाओं व विद्यार्थियों में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि मौनी अमावस्या के पर्व पर लगने वाले मेले में हमेशा दंगल का आयोजन होता हैं, इस परंपरा को जीवित रखने और युवाओं को मंच देने के लिए मैं हर वर्ष यह राम राम दंगल का कार्यक्रम हर वर्ष निरंतर करवाता रहूंगा। मंच का संचालन अभिषेक त्रिपाठी युवराज ने, दंगल में रेफरी की भूमिका मंगला पहलवान गाजीपुर निभाई।

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए पुलिस के जवान मुस्तैदी से जुटे रहे।कार्यक्रम में पूर्व मंत्री डा. सतीश द्विवेदी, कन्हैया पासवान, उपेंद्र सिंह, रामकुमार कुंवर, यशकांत सिंह, फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, अजय उपाध्याय, अनिल जायसवाल, शंभूनाथ सोनी, दिलीप उर्फ छोटे पाण्डेय, राजन अग्रहरि, शिवरतन अग्रहरि, हरि सिंह, पप्पू श्रीवास्तव, विष्णु श्रीवास्तव, संजय गौतम, रघुनंदन पाण्डेय आदि ने पहलवानों का हाथ मिलाकर कुश्ती आरंभ करवाया और विजई पहलवानों को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया। इस दौरान कार्यक्रम के एसडीएम राजेश कुमार, तहसीलदार रविकुमार यादव, ईओ सचिन कुमार लवकुश ओझा, डा. दशरथ चौधरी, चन्द्र प्रकाश चौधरी, धर्मराज वर्मा, मधुसूदन अग्रहरि, शैलेश सिंह, शत्रुहन सोनी, हरीश पाण्डेय, प्रेम नारायण दुबे, अजय अग्रहरि, महंत मिश्रा आदि सहित भारी संख्या में दर्शक मौजूद रहें।

आरेडिका में बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के आवासीय परिसर में बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में रविवार दिनांक 18.01.2026 को आरेडिका सरस्वती पूजन समिति के द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सरस्वती पूजन समिति के द्वारा बच्चों को 3 ग्रुप में बांटा गया तथा हर ग्रुप के लिए अलग अलग विषय दिए गए।

कक्षा-1 से 3 तक के छोटे बच्चों को 'टेडीबियर' तथा कक्षा-4 से 6 तक के बच्चों को '26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह' एवं कक्षा 7 से 9 तक के बच्चों को 'एमसीएफ की सरस्वती पूजा उत्सव' विषय दिए गए। इन प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी कल्पनाओं के रंग भर कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस चित्रकला प्रतियोगिता में कुल 300 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

सरस्वती पूजा समिति के द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं को बसंत पंचमी के दिन आयोजित होने वाले सरस्वती पूजन समारोह में आरेडिका महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। सरस्वती पूजन समिति में पदाधिकारी एवं आरेडिका के जनसम्पर्क अधिकारी अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि, इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में अपनी संस्कृति से जुड़ने एवं अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। सरस्वती पूजन समिति के द्वारा पिछले 13 वर्षों से निरंतर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है एवं कॉलोनी के बच्चों में इस कार्यक्रम को लेकर हमेशा उत्साह बना रहता है।

इस अवसर पर आरेडिका के सरस्वती पूजन समिति के सभी मुख्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिसमें अनिल श्रीवास्तव, मनोज कुमार, आदित्य प्रकाश, तन्मय, आशीष श्रीवास्तव, संतोष कुमार, विशेश्वर प्रसाद, पवन कुमार, अंगेश्वर, नरेंद्र कुमार, राजेश कुमार, जितेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

युवा सप्ताह के समापन पर संगोष्ठीः डिजिटल युग में विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता पर हुआ विमर्श

सिद्धार्थनगर। जिले के शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ में युवा सप्ताह के समापन अवसर पर एक प्रेरणादायक संगोष्ठी का आयोजन शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ के लोअर हाल में प्रातः 11:00 बजे से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ जिसके उपरांत संगोष्ठी का विधिवत उद्घाटन किया गया।संगोष्ठी का विषय 'स्वामी विवेकानंद के युवाओं के प्रति मूल्य और विचारः वर्तमान डिजिटल युग के परिप्रेक्ष्य में रहा। कार्यक्रम में शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार सिंह मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे।अपने सारगर्भित उद्बोधन में प्रो. अरविन्द कुमार सिंह ने स्वामी विवेकानंद के जीवन, उनके नैतिक मूल्यों तथा युवाओं के प्रति उनके दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन आत्मबल, सेवा और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता है। डिजिटल युग में युवाओं को तकनीक का उपयोग आत्मविकास, सामाजिक सुधार और राष्ट्रहित के लिए करना चाहिए। उन्होंने विवेकानंद के प्रसिद्ध प्रेरक मंत्र 'उठो, जागो और तब तक रुको नहीं जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए' को आज के समय में भी अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रयोग आत्मप्रचार के बजाय आत्मविकास, संवाद और नवाचार के लिए करने का आह्वान किया। साथ ही यह भी कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की भूमिका निर्णायक है और विवेकानंद के विचारों को डिजिटल माध्यमों के जरिए जन-जन तक पहुँचाया जा सकता है। नैतिकता, अनुशासन और सेवा भावना को तकनीक से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, स्वामी विवेकानंद इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामकिशोर सिंह, राजीव मिश्रा, राजकुमार सोनकर सहित छात्र-छात्राएं समीक्षा, आर्यन, खुशी, दिनेश आदि ने सक्रिय सहभागिता की।

एसडीएम विवेकानंद मिश्रा ने बूथों का किया निरीक्षण, बीएलओ को दिए आवश्यक निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत रविवार को बूथ दिवस का आयोजन किया गया। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के सभी बूथों पर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) सुबह 10:45 बजे से शाम 4:30 बजे तक उपस्थित रहकर कार्य करते रहे।बीएलओ द्वारा अपने-अपने गांव के मतदाताओं को बूथ केंद्र पर आमंत्रित कर वोटर लिस्ट में दर्ज परिवार के सदस्यों के नामों की जानकारी दी गई तथा छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 भरवाया गया। साथ ही निर्धारित एप पर फॉर्म की फीडिंग भी की गई। बीएलओ ने विभिन्न राजनीतिक दलों के बीएलए से संपर्क कर अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का पंजीकरण कराने में सहयोग की अपील की।

विशेष बूथ दिवस के अवसर पर एसडीएम तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं सुपरवाइजरों द्वारा बूथों का निरीक्षण किया गया। एसडीएम विवेकानंद मिश्र ने बूथ संख्या 267, 268, 269 एवं 270 पूर्व माध्यमिक विद्यालय शोहरतगढ़ का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ अमित कुमार चौधरी, राकेश, सुषमा एवं सकीना से फॉर्म-6 की प्रगति की जानकारी ली तथा आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेजों की जांच की।

एसडीएम ने निर्देश दिया कि फॉर्म-6 भरते समय जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में आधार कार्ड लिया जाए और प्रक्रिया को पूर्ण रूप से सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी प्रकार की समस्या आती है तो शोहरतगढ़ तहसील मे स्थित वोटर रजिस्ट्रेशन सेंटर से सहयोग लेने के निर्देश भी दिए गए।

इसके अलावा बूथ संख्या 250 नकथर पर पहुंचकर बीएलओ केशव यादव से कार्य की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वोटर रजिस्ट्रेशन सेंटर के ऑपरेटर सीपी सिंह एवं मुख्तार अहमद द्वारा शाम के समय शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के विभिन्न बूथों से प्राप्त फॉर्म-6, 7 एवं 8 की प्रगति रिपोर्ट भी संकलित की गई।

अथर्व तायडे ने खत्म किया 5 साल का सूखा, विजय हजारे ट्रॉफी में ऐसा करने वाले 16वें खिलाड़ी बने

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। विदर्भ के ओपनर अथर्व तायडे ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड नंबर 1 पर सौराष्ट्र के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के चल रहे फाइनल में अपनी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने सिर्फ 97 गेंदों में शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को 200 रन के पार पहुंचाते हुए पांच साल का सूखा खत्म करते हुए लिस्ट ए में शतक लगाया।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए अथर्व अमन मोखाडे के साथ विदर्भ के लिए पारी की शुरुआत करने आए। इस ओपनिंग जोड़ी ने सौराष्ट्र के गेंदबाजों की शुरुआती स्विंग का सामना किया और 80 रन की ओपनिंग साझेदारी की। सौराष्ट्र को आखिरकार 18वें ओवर में सफलता मिली, जब अंकुर पवार ने अमन को क्लीन बोल्ड कर दिया, जो 33 रन बनाकर आउट हुए। अपने पार्टनर को खोने के बावजूद अथर्व ने अपना हमला जारी रखा और यह सुनिश्चित किया कि नए बल्लेबाज यश राठौड़ पर दबाव न पड़े।

ओपनिंग बल्लेबाज ने 31वें ओवर में एक सिंगल लेकर अपना शतक पूरा किया। शतक पूरा करने से पहले उन्होंने 12 चौके और दो छक्के लगाए। यह अथर्व का पांच साल में पहला लिस्ट ए शतक है। वह विजय हजारे ट्रॉफी फाइनल में तिहरे अंक तक पहुंचने वाले सिर्फ 16वें बल्लेबाज हैं। अथर्व आखिरकार 36वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए जब उन्होंने अंकुर पवार की एक शानदार यॉर्कर को प्रेरक मांकड़ के हाथों में खेल दिया। उन्होंने 118 गेंदों में 128 रन बनाए। अथर्व ने अपनी पारी के दौरान 15 चौके और तीन छक्के भी लगाए।

अथर्व ने मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम को आगे ले जाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। उन्होंने दिल्ली के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 62 (72) रन की धैर्यपूर्ण पारी खेलकर विदर्भ को 300 रन तक पहुंचाने में मदद की। उन्होंने जनवरी में इससे पहले असम के खिलाफ 80 और बड़ौदा के खिलाफ 65 रन भी बनाए थे। अथर्व ने 42 लिस्ट ए मैच खेले हैं और 35.25 की औसत से तीन शतक और 6 अर्धशतक लगाए हैं। दोनों टीमें कड़े मैचों के बाद फाइनल में पहुंची हैं।

शुभमन गिल आए चर्चा में, 3 लाख का वाटर प्यूरीफायर साथ लेकर पहुंचे इंदौर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर मैदान के बाहर लिए गए अपने फैसले को लेकर सुर्खियों में हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के तीसरे और आखिरी वनडे मैच से पहले इंदौर पहुंचे गिल ने अपनी सेहत को प्राथमिकता देते हुए एक असामान्य लेकिन सतर्क कदम उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने अपने होटल रूम में इस्तेमाल के लिए करीब तीन लाख रुपए कीमत का वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम मंगवाया है। यह फैसला ऐसे समय पर सामने आया है, जब इंदौर एक गंभीर जल-जनित स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है।

आमतौर पर भारतीय क्रिकेट टीम जब किसी शहर में दौरे पर जाती है, तो खिलाड़ियों को देश के सबसे सुरक्षित और हाई-एंड होटलों में ठहराया जाता है। इन होटलों में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर समेत सभी स्वास्थ्य मानकों का ध्यान रखा जाता है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि शुभमन गिल ने अतिरिक्त एहतियात बरतते हुए खुद का वाटर प्यूरीफायर लगवाने का फैसला किया। सूत्रों के अनुसार कप्तान किसी भी तरह का स्वास्थ्य जोखिम नहीं उठाना चाहते थे, खासकर ऐसे शहर में जहां हाल ही में दूषित पानी से बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़े हैं।

दिसंबर 2025 के अंत और जनवरी 2026 की शुरुआत में इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में पानी से जुड़ा एक बड़ा संकट सामने आया। जांच में पता चला कि सीवेज का दूषित पानी पीने की सप्लाई में मिल गया था, जिससे शहर में तेज़ी से बीमारी फैलने लगी। इस घटना में अब तक कम से कम 23 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 1, 400 से अधिक लोग इससे प्रभावित बताए जा रहे हैं। सैकड़ों मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भी भारी दबाव पड़ा। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि नर्मदा जल आपूर्ति की एक पाइपलाइन में रिसाव हो गया था। यह टूटी हुई पाइपलाइन सीवेज लाइन और सार्वजनिक शौचालय के बेहद करीब से गुजर रही थी। इसी वजह से गंदा पानी पीने की सप्लाई में मिल गया। कई इलाकों में लोगों ने पहले बदबूदार और रंग बदले हुए पानी की शिकायत की थी, लेकिन स्थिति की गंभीरता तब समझ आई जब अचानक दस्त, उल्टी और डिहाइड्रेशन के मामले तेजी से बढ़ने लगे।

शुरुआत में प्रशासन ने दूषित पानी से जुड़ी कुछ ही मौतों की पुष्टि की थी, लेकिन बाद की जांच में मृतकों की संख्या ज्यादा सामने आई। प्रभावित इलाकों में जल आपूर्ति बंद कर वैकल्पिक व्यवस्था की गई और पाइपलाइन की मरम्मत शुरू की गई।स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर सर्वे कर रही हैं और प्रभावित लोगों का इलाज जारी है।

अंडर-19 विश्व कप : विरान चामुदिथा ने रचा इतिहास, श्रीलंका की जापान पर रिकॉर्ड तोड़ जीत

विंडहोक (नामीबिया) **(एजेंसी)**। श्रीलंका ने नामीबिया में जापान के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में ग्रुप ए में टॉप पर जगह बना ली है। यह मैच कई वजहों से काफी रोमांचक था जिसमें श्रीलंका की टीम की गहराई पूरी तरह से दिखी जिसमें बैटिंग ऑर्डर में टॉप पर क्लास और कई बेहतरीन बॉलिंग ऑप्शन देखने को मिले। जापान के खिलाफ 203 रनों की जीत ने एक मजबूत नींव रखी है।

अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में किसी भी विकेट के लिए अब तक की सबसे बड़ी पार्टनरशिप (328 रन) में ओपनर दिमांता महाविथाना (125 गेंदों में 115 रन) और विरान चामुदिथा (143 गेंदों में 192 रन) ने नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर मैच की शुरुआत शानदार तरीके से की। चामुदिथा का व्यक्तिगत स्कोर अंडर-19 विश्व कप में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर था। कप्तान विमथ दिंसारा ने मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों की तारीफ की और उनके फॉर्म का श्रेय दिया।

आईसीसी वेबसाइट के अनुसार दिंसारा ने कहा, 'हां, वे बहुत अच्छी बैटिंग कर रहे हैं, हमारी शुरुआत अच्छी रही।' अपनी टीम के 387/4 रन बनाने के बाद उन्होंने जापान को सिर्फ 184/8 पर रोक दिया जिसमें 8 अलग-अलग गेंदबाजों का इस्तेमाल किया गया, ये मौके शायद तब काम आएंगे जब टीम टूर्नामेंट में और आगे बढ़ेगी।

दिंसारा ने आगे कहा, '(किसे और कब बॉलिंग करानी है, यह तय करना) मुश्किल नहीं है, मेरी टीम में बहुत सारे गेंदबाज हैं, और इतने सारे ऑप्शन होना मेरे लिए (खुशी की बात) है। हां, मैं (जीत से) बहुत खुश हूं, क्योंकि यह टूर्नामेंट का हमारा पहला मैच है। हमारी टीम अच्छी है, और मैं अपनी टीम से बहुत खुश हूं।' श्रीलंका अब सुपर सिक्स फेज के लिए क्वालिफाई करने की कगार पर है, लेकिन सोमवार को नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर आयरलैंड से मिलने पर उनके पास अपने दावे को और मजबूत करने का मौका है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : अलेक्जेंडर ज्वेरेव की दमदार वापसी, धीमी शुरुआत के बाद दूसरे राउंड में एंट्री

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तीसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने धीमी शुरुआत के बावजूद ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली है। रविवार को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेले गए मुकाबले में ज़्वेरेव ने कनाडा के गैब्रियल डियालो को चार सेटों में 6-7 (1), 6-1, 6-4, 6-2 से हराया। यह मुकाबला गर्म मौसम में दो घंटे 43 मिनट तक चला।

मैच की शुरुआत ज़्वेरेव के लिए आसान नहीं रही। पहले सेट के टाईब्रेक में उन्हें संघर्ष करना पड़ा और वह सेट गंवा बैठे, जिससे थोड़ी घबराहट भी नजर आई। हालांकि इसके बाद जर्मन खिलाड़ी ने शानदार वापसी की और अपने ताकतवर ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया।

पिछले साल मेलबर्न पार्क में फाइनल तक पहुंचने वाले ज़्वेरेव ने मैच के बाद कहा कि पहला सेट उनका सर्वश्रेष्ठ टेनिस नहीं था, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, कोर्ट पर उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया। उन्होंने कहा कि वह अपने खेल के स्तर से संतुष्ट हैं और लय में लौटकर अच्छा महसूस कर रहे हैं। तीन बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट ज़्वेरेव अब अगले दौर में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपीरिन या फ्रांस के अलेक्जेंडर मुलर से भिड़ेंगे। खिताब की तलाश में जुटे ज़्वेरेव के लिए यह जीत टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

वाहन निर्यात में भारत का नर्या ंम्द्, 24 प्रतिशत की जबरदस्त ग्रोथ के साथ 63 लाख गाड़ियां विदेश भेजीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेशी बाजारों में कारों, दोपहिया वाहनों और वाणिज्यिक वाहनों की मजबूत मांग के चलते 2025 में भारत से ऑटोमोबाइल निर्यात में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कुल निर्यात पिछले वर्ष 63, 25, 211 यूनिट तक पहुंच गया, जबकि 2024 कैलेंडर वर्ष में यह 50, 98, 474 यूनिट था, जो 24.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यात्री वाहनों का निर्यात 8, 63, 233 यूनिट तक पहुंच गया, जो 2024 के 7, 43, 979 यूनिट की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष यूटिलिटी वाहनों की डिलीवरी में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 4, 27, 219 यूनिट रही, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 3, 23, 624 यूनिट था। पैसेंजर कारों की डिलीवरी में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और 2025 में यह आंकड़ा 4, 25, 396 यूनिट रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 4, 12, 148 यूनिट था।

एसआईएएम ने बताया कि मध्य पूर्व, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका सहित अधिकांश बाजारों में मांग स्थिर बनी हुई है। मारुति सुजुकी ने 2025 में 3.95 लाख यूनिट्स की डिलीवरी के साथ बाजार में अग्रणी स्थान हासिल किया, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 3.26 लाख यूनिट्स था। कार निर्माता ने कहा कि वह वित्त वर्ष 2026 के लिए 4 लाख यूनिट्स के निर्यात के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (कॉर्पोरेट अफेयर्स) राहुल भारती ने कहा कि आज भारत से होने वाले सभी यात्री वाहन निर्यात में मारुति सुजुकी का योगदान 46 प्रतिशत है और वैश्विक व्यापार में भी हमारी बड़ी हिस्सेदारी होने के सभी कारण मौजूद हैं।

दोपहिया वाहनों का निर्यात 2024 के 39, 77, 162 यूनिट्स की तुलना में 24 प्रतिशत बढ़कर 49, 39, 706 यूनिट्स रहा। मोटरसाइकिलों का निर्यात 27 प्रतिशत बढ़कर 43, 01, 927 यूनिट्स हो गया, जबकि स्कूटरों का निर्यात 8 प्रतिशत बढ़कर 2025 में 6, 20, 241 यूनिट्स हो गया।

आईडीबीआई बैंक का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 1, 935 करोड़ रुपए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईडीबीआई बैंक का दिसंबर 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ लगभग स्थिर रहा। बैंक ने शनिवार को बताया कि इस दौरान उसने 1, 935 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया है और पिछले साल की समान अवधि में 1, 908 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, आलोच्य तिमाही में बैंक की कुल आय घटकर 8, 282 करोड़ रुपए रह गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 8, 565 करोड़ रुपए थी। वहीं, बैंक की ब्याज आय भी पिछले साल के 7, 816 करोड़ रुपए से कम होकर 7, 074 करोड़ रुपए पर आ गई। बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया।

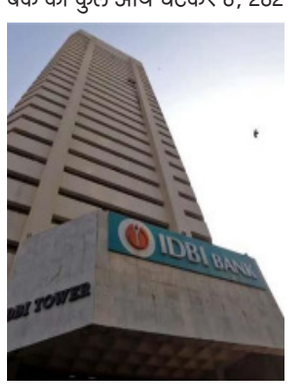

आलोच्य अवधि के दौरान बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात सुधरकर 2.57 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 3.57 प्रतिशत था। हालांकि, शुद्ध एनपीए 0.18 प्रतिशत के स्तर पर स्थिर रहा। बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात दिसंबर 2024 के 21.98 प्रतिशत से सुधरकर 24.63 प्रतिशत हो गया है। दूसरी ओर बैंक की परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (आरओए) में मामूली कमी देखी गई और यह वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में घटकर 1.83 प्रतिशत रह गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 1.99 प्रतिशत था।

केंद्रीय बजट 2026 : सरहद की सुरक्षा से आगे, वैश्विक महाशक्ति बनने की तैयारी, डिफेंस बजट में 20 प्रतिशत की होगी बढ़ोतरी?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मोदी सरकार ने बार-बार साफ किया है कि इसे केवल स्थगित किया गया है, समाप्त नहीं किया गया है। इस ऑपरेशन में ड्रोन और मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) का व्यापक उपयोग देखा गया, जिससे पता चलता है कि आधुनिक युद्ध पिछले कुछ वर्षों में किस प्रकार विकसित हुआ है। भारत के इस पूरे अभियान की राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व दोनों ने तीनों सेनाओं के बीच तालमेल के लिए सराहना की, और इसका एकमात्र उद्देश्य स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्यों को प्राप्त करना और इस्लामाबाद और उसके नेतृत्व को आतंकवाद के खिलाफ नई दिल्ली का कड़ा संदेश देना था। हालांकि भारतीय सेना को पाकिस्तानी सेना पर स्पष्ट बढ़त हासिल थी, लेकिन इसने एक बार फिर एक पहलू पर ध्यान केंद्रित किया हैः भारतीय सशस्त्र बलों का और अधिक आधुनिकीकरण करना।

परंपरागत युद्ध मुख्य रूप से टैंक, तोपखाने और पैदल सेना के बल पर लड़े जाते थे, और इनमें स्पष्ट अग्रिम मोर्चें होती थीं। हालांकि, आज के युद्ध में ड्रोन, यूएवी, लोइटरिंग मुनिशन्स आदि का उपयोग होता है, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्पष्ट रूप से देखा गया था। इसके अलावा, भारतीय सशस्त्र बल अभी भी 30 से 40 साल पुराने उपकरणों का उपयोग करते हैं, जिन्हें अप्रचलित माना जा सकता है या जल्द ही अप्रचलित हो सकते हैं। इसे देखते हुए, रक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष के बजट में अपने लिए 20 प्रतिशत की वृद्धि की मांग की है।

आम तौर पर भारत में रक्षा बजट में हर साल 9 से 10 प्रतिशत की वृद्धि करने का चलन रहा है। लेकिन पिछले साल नवंबर में नई दिल्ली में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसी) के एक कार्यक्रम में बोलते हुए रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए रक्षा मंत्रालय वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रक्षा बजट में 20 प्रतिशत की वृद्धि की मांग करेगा। रक्षा सचिव ने कहा था मुझे वित्त मंत्रालय से इस तरह का आवंटन (20 प्रतिशत अधिक) प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं दिखती। रक्षा क्षेत्र में देश के बढ़ते और विविध औद्योगिक आधार को देखते हुए, हमारे पास उन अतिरिक्त संसाधनों का उपयोग करने की पर्याप्त क्षमता है जिनकी हम मांग कर रहे हैं।

इस बात में शायद ही कोई संदेह है कि सशस्त्र बलों की बढ़ती मांग और पड़ोसी देशों की मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए भारत को रक्षा क्षेत्र में अधिक धनराशि आवंटित करने की आवश्यकता है। लेकिन विश्लेषकों और विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को पहले इस व्यय को वहन करने की क्षमता विकसित करनी होगी।

यूको बैंक का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 740 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का शुद्ध लाभ दिसंबर 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 16 प्रतिशत बढ़कर 740 करोड़ रुपए हो गया। मुख्य आय में वृद्धि और गैर-निष्पादित आस्तियों में कमी से बैंक के मुनाफे को बल मिला है। कोलकाता मुख्यालय वाले बैंक ने शनिवार को बताया कि उसने पिछले साल की समान अवधि में 639 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, आलोच्य तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 7, 521 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 7, 406 करोड़ रुपए थी। वहीं, बैंक की ब्याज आय भी पिछले साल के 6, 220 करोड़ रुपए से बढ़कर 6, 652 करोड़ रुपए पर आ गई।

आलोच्य तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 11.27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2, 646 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 2, 378 करोड़ रुपए थी। इस दौरान बैंक का परिचालन लाभ भी 5.93 प्रतिशत बढ़कर 1, 680 करोड़ रुपए हो गया। आलोच्य अवधि के दौरान बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) का अनुपात घटकर 2.41 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले 2.91 प्रतिशत था। इसी तरह, शुद्ध एनपीए भी 0.63 प्रतिशत से कम होकर 0.36 प्रतिशत के स्तर पर आ गया। बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात दिसंबर 2024 के 16.25 प्रतिशत के मुकाबले सुधरकर 17.43 प्रतिशत हो गया है।

जेनी किम : पॉप कल्चर की 'कॉन्फिडेंस क्वीन' जिसका कोई दूसरा विकल्प नहीं

अगर संगीत की दुनिया में सफलता को आत्मविश्वास से मापा जाए, तो 30 वर्षीय जेनी किम का ग्राफ आज 'ऑल-टाइम हाई' पर है। एक ऐसी इंडस्ट्री में जहाँ अक्सर कलाकारों को साँचों में ढलने के लिए मजबूर किया जाता है, जेनी ने अपनी शर्तों पर अपनी कहानी लिखकर सबको चौंका दिया है। जेनी का सोलो सफर कभी यह साबित करने के लिए नहीं था कि वह ब्लैकपिंक के बिना क्या कर सकती हैं, क्योंकि 2018 में उनके पहले ही हिट सोलो ने इसे दुनिया के सामने साबित कर दिया था। अब वह जो कर रही हैं, वह उससे कहीं बड़ा है। वह यह फिर से लिख रही हैं कि सोलो सफलता कैसी दिखती है जब कलाकार अपने साउंड, इमेज, कहानी और टाइमिंग पर पूरी तरह से कंट्रोल रखता है।

सेफ्टी नेट के बजाय एक स्टेटमेंट के तौर पर रिलीज़ हुआ, रूबी जेनी का एक सोलो कलाकार के तौर पर अब तक का सबसे निर्णायक कदम था। एल्बम ने ग्लोबल चार्ट्स पर ज़बरदस्त शुरुआत की, हफ्तों के अंदर लाखों स्ट्रीम्स हासिल किए, और एक पॉप कलाकार के तौर पर अपनी जगह पक्की की।

खास तौर पर, रूबी अपनी एकजुटता के लिए अलग था। साउंड के मामले में कॉन्फिडेंट, लिरिक्स में सीधा और भावनाओं में साफ, एल्बम ने आज़ादी, महत्वाकांक्षा, इच्छा और अलगाव जैसे विषयों पर ज़ोर दिया। इसमें बहुत कम आत्म-संदेह था। यह जेनी थीं, जो अपनी आवाज़, अपने फैसलों और अपनी टाइमिंग को पूरी तरह से अपना रही थीं। अवॉर्ड्स स्वाभाविक रूप से मिले।

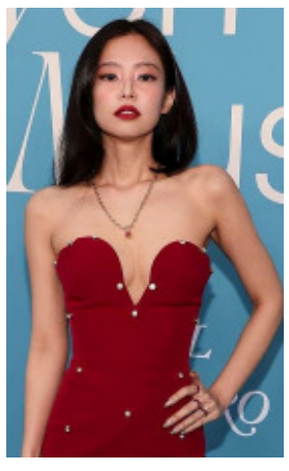

जेनी, मंत्रा, यू एंड मी, वन ऑफ द गर्ल्स और उनके हालिया सोलो रिलीज़ जैसे ट्रैक के साथ, जेनी की सॉन्ग राइटिंग स्लीक पॉप कॉन्फिडेंस से हटकर कुछ ज़्यादा सटीक और पर्सनल हो गई है। उनके लिरिक्स में तेज़ी से एक जानलेवा स्पष्टता आ रही है। पूरे एल्बम में, वह सुनने वालों को यह याद दिलाने के लिए तीखे, लगभग नज़रअंदाज़ करने वाले लिरिक्स का इस्तेमाल करती हैं कि राय से बिल नहीं भरे जाते, स्ट्रीम्स से भरे जाते हैं। परेशान न होने, शोर से आगे बढ़ने और जानबूझकर अछूत रहने के बारे में लाइनें पलटवार से ज़्यादा निष्कर्ष की तरह काम करती हैं।

उनका एल्बम एक गर्ल एंथम हैंडबुक के तौर पर भी काम करता है। 'क्या मेरी, क्या मेरी लेडीज़ इसे चलाती हैं, लेडीज़ इसे चलाती हैं?' वह अपने गाने एक्स्ट्राएल में लगभग बिना मतलब के पूछती हैं। जेनी के लिरिक्स एक खास फेमिनिन कॉन्फिडेंस को दिखाते हैंः खुद को चुनना, बिना किसी अपराधबोध के इच्छाओं का आनंद लेना, बिना किसी निष्कर्ष के दूर चले जाना, और यह जानना कि कब चुप्पी ज़्यादा कहती है।

'मेरी छोटी नूप्स अब पराई हो गई', बहन नूपुर की शादी के बाद कृति सेनन का भावुक पोस्ट, याद किए बचपन के दिन

सेनन परिवार में इन दिनों खुशियों और भावनाओं का संगम देखने को मिल रहा है। कृति सेनन की छोटी बहन नूपुर सेनन हाल ही में शादी के बंधन में बंध गई हैं। अभिनेत्री और गायिका नूपुर सेनन की शादी के भव्य समारोह के बाद, उनकी बड़ी बहन और बॉलीवुड सुपरस्टार कृति सेनन ने अपनी छोटी बहन के लिए एक बेहद इमोशनल मैसेज शेयर किया है। कृति ने इंस्टाग्राम पर शादी की कुछ अनदेखी तस्वीरों के साथ अपने दिल की बात लिखी। कृति के इस पोस्ट पर वरुण धवन, श्रद्धा कपूर और आलिया भट्ट जैसे सितारों ने कमेंट कर नूपुर को बधाई दी और कृति को ढांढस बंधाया। फैंस ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'बहनों का प्यार सबसे शुद्ध होता है।'

कृति ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया। इसकी शुरुआत उनकी और नूपुर की एक तस्वीर से हुई और इसके बाद शादी और अन्य समारोहों की झलकियां साझा की गईं। कृति ने अपनी पोस्ट में लिखा, मेरे मन की भावनाओं को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है... अभी तक यकीन नहीं हो रहा है... उन्होंने लिखा, "मेरी प्यारी बच्ची की शादी हो गई! जब मैं पांच साल की थी तब पहली बार तुम्हें अपनी बाहों में लेने से लेकर अब तुम्हारी चादर थामकर तुम्हें अब तक की सबसे खूबसूरत दुल्हन के रूप में सजी-धजी देखकर मेरा दिल खुशी से भर गया है। तुम्हें इतना खुश, प्यार में डूबा हुआ और अपने जीवन का अगला और सबसे खूबसूरत अध्याय शुरू करते हुए देखकर मेरा दिल भर आया है, तुम्हें वो सबसे अच्छा जीवनसाथी मिला है जिसकी हम कामना कर सकते थे।

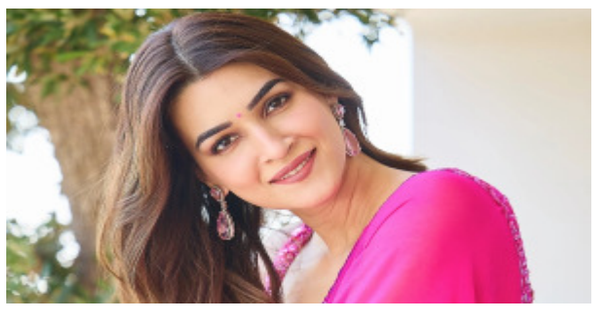

कृति ने पोस्ट में लिखा, "स्टेबिन तुम पिछले पांच साल से भी ज्यादा समय से हमारे परिवार का हिस्सा हो और हर गुजरते साल के साथ हमारा रिश्ता और मजबूत होता गया है। स्टेबू, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं और मुझे पता है कि मुझे एक भाई और एक ऐसा दोस्त मिला है जो हमेशा मेरे साथ रहेगा। तुम दोनों को शादी के बंधन में बंधते और वचन लेते हुए देखना मेरी जिंदगी के सबसे भावुक और खूबसूरत पलों में से एक रहा है! कितनी अनमोल यादें हैं। तुम दोनों को जीवन भर खुशियां और प्यार मिले, यही मेरी कामना है।" कृति ने कहा, "नूपुर मेरी जान है और मुझे पता है कि वह आपकी भी जान है... जीवन भर के लिए! मैं उसे कभी भी किसी और को नहीं सौंपने वाली, इसलिए सेनन परिवार में आपका स्वागत है। नूपुर और स्टेबिन 2023 से एक साथ हैं, लेकिन कई कार्यक्रमों में एक साथ देखे जाने के बावजूद उन्होंने कभी भी सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की। दोनों ने तीन जनवरी को सगाई की थी।

नवनीत राणा ने भाजपा के खिलाफ किया प्रचार?

22 भाजपा उम्मीदवारों ने सीएम फडणवीस को पत्र लिखकर शिकायत

मुम्बई **(एजेंसी)**। चुनाव के बाद नाटकीय घटनाक्रम में अमरावती नगर निगम (एएमसी) चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 22 उम्मीदवारों ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूर्व सांसद नवनीत राणा को पद से हटाने का आग्रह किया है। उम्मीदवारों का आरोप है कि नवनीत राणा ने पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ प्रचार करके पार्टी को कमजोर किया है। 15 जनवरी को हुए चुनावों में भाजपा की सीटों में भारी गिरावट आई, जिससे टूटे हुए गठबंधन के बीच विश्वासघात के आरोप और भी बढ़ गए हैं।

चुनाव में करारी हार87 सदस्यीय एएमसी में भाजपा को पिछली बार की 45 सीटों के मुकाबले मात्र 25 सीटें मिलीं, जबकि रवि राणा की युवा स्वाभिमान पार्टी (वाईएसपी) को 3 के मुकाबले 15 सीटें मिलीं। अन्य दलों को कांग्रेस (15), एआईएमआईएम (12), एनसीपी (11), शिवसेना (3), बसपा (3), शिवसेना (यूबीटी) (2), वंचित बहुजन अघाड़ी (1) की सीटें मिलीं। चुनाव से पहले, भाजपा और वाईएसपी (विधायक रवि राणा, नवनीत के पति के नेतृत्व में) ने संबंध तोड़ लिए थे, फिर भी भाजपा के एक स्थानीय नेता ने जोर देकर कहा कि नवनीत भगवा उम्मीदवारों का समर्थन करेंगी। इसके विपरीत, उन्होंने कथित तौर पर भाजपा उम्मीदवारों को 'बेवकूफ' करार दिया और वाईएसपी को 'असली भाजपा' के रूप में पेश किया।

22 शिकायतकर्ताओं में से 20 हारे और 2 जीते, लेकिन सभी नवनीत के हस्तक्षेप की ओर इशारा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा, हम समर्पित, मेहनती पार्टी कार्यकर्ता हैं जो समाज से जुड़े हुए हैं। हमारी हार विपक्ष की वजह से नहीं, बल्कि वरिष्ठ भाजपा नेता नवनीत राणा के खुलेआम हमारे खिलाफ प्रचार करने की वजह से हुई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि नवनीत राणा को पार्टी में बनाए रखने से अमरावती में भाजपा की पकड़ कमजोर हो सकती है और उन्हें तत्काल निष्कासित करने की मांग की है।

नवनीत राणा की प्रतिक्रिया अभी तक नहीं आई है, जिससे विवाद अधर में लटका हुआ है। यह दरार गठबंधन टूटने के बाद महाराष्ट्र भाजपा, विशेषकर विदर्भ में, गहरी होती दरारों को उजागर करती है।

क्राइम ब्रांच को मिली बड़ी सफलता, पकड़ा गया लॉरेंस बिश्नोई गैंग का वांटेड शूटर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पुलिस ने बताया कि दिल्ली क्राइम ब्रांच की एंटी-गैंगस्टर स्क्वाड (एजीएस) ने राजस्थान पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े एक वांछित शार्पशूटर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू (23) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के आगरा का निवासी है। उसे 16 जनवरी, 2026 को प्राप्त विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर दिल्ली के उत्तम नगर से पकड़ा गया। पूछताछ के बाद उसे आगे की जांच के लिए राजस्थान पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, शर्मा राजस्थान के गंगानगर जिले में दर्ज कई मामलों में वांछित था। मार्च 2025 में, गिरोह ने कथित तौर पर एक व्यवसायी से 4 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। जब पैसा नहीं दिया गया, तो शर्मा को व्यवसायी के घर पर गोली चलाने का काम सौंपा गया था।

मई 2025 में शर्मा और उसके साथियों ने कथित तौर पर व्यवसायी

के आवास पर गोलीबारी की, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि जमानत पर रिहा होने के बाद भी वह गिरोह से जुड़ा रहा और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को अवैध हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति करने लगा। राजस्थान पुलिस ने हाल ही में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है, और पुलिस ने बताया कि शर्मा उर्फ गोलू को उन हथियारों का स्रोत बताया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तम नगर में छापेमारी के दौरान दिल्ली क्राइम ब्रांच ने यह गिरफ्तारी की। पुलिस ने आगे बताया कि आरोपी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सक्रिय सदस्य था और राजस्थान में गिरोह के लिए काम कर रहा था। इसी बीच, एक अलग घटनाक्रम में, पंजाब पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। पंजाब पुलिस के डीजीपी के अनुसार, लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने गैंगस्टर गोल्डी ब्रार से जुड़े एक जबरन वसूली गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

तीन सप्ताह तक चले एक सुनियोजित अभियान में, पुलिस ने 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया और दो ऑस्ट्रियन ग्लॉक पिस्तौल सहित विदेशी निर्मित पिस्तौलें और 10 अन्य अत्याधुनिक हथियार बरामद किए। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार सदस्य अवैध हथियार तस्करी, जबरन वसूली और सुनियोजित हत्याओं में शामिल थे, जिनका उद्देश्य पूरे राज्य में अराजकता फैलाना था। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है और शेष सहयोगियों को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

नोएडा **(एजेंसी)**। थाना ईकोटेक-तीन पुलिस ने शनिवार रात एक मुठभेड़ के बाद तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया जो राहगीरों को कार में लिफ्ट देकर लूटपाट करते थे। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ पूर्व में कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना ईकोटेक-तीन पुलिस बीती रात को कच्ची सड़क के पास बैरियर लगाकर जांच कर रही थी, तभी एक कार में कुछ लोग आते दिखे। उन्होंने बताया कि संदेह होने पर पुलिस ने कार को रुकने का इशारा किया लेकिन कार सवार रुकने की बजाए वहां से भागने लगे।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने कार का पीछा करके उन्हें घेर लिया और बदमाशों ने पुलिस दल पर गोली चला दी। उन्होंने बताया की उसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलायी। मीडिया प्रभारी ने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली जियाउल्लह पुत्र अनीसुर्रहमान, निवासी जिला मोतीहारी, बिहार, और अमन गुप्ता, पुत्र प्रदीप कुमार, निवासी जनपद एटा के पैर में लगी। उन्होंने बताया कि इनका एक साथी नसीम अली उर्फ रियाज, पुत्र साबिर अली मौके से भाग गया और पुलिस ने बाद में गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने इन बदमाशों के पास से एक कार, तीन तमंचे, कारतूस, लूटी हुई रकम में से छह हजार 500 रुपये नगद, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को पूछताछ के दौरान पता चला कि ये लोग राहगीरों को सवारी के रूप में अपनी कार में बैठाते थे और उनसे मारपीट करके उनके मोबाइल, नगदी आदि लूट लेते थे। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों ने लूटपाट की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में मुठभेड़

जैश के 3 आतंकियों के छुपे होने की आशंका

सुरक्षा बलों ने लगाया सीएएसओ

श्रीनगर **(एजेंसी)**। जम्मू और कश्मीर के किश्तवार जिले के एक सुदूर वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ छिड़ गई। दोपहर के आसपास छतरू क्षेत्र के मन्द्रल-सिंघोरा के पास सोनार गांव में शुरू किए गए घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान गोलीबारी शुरू हुई। सूत्रों के अनुसार, आतंकवादियों ने तलाशी दल पर गोलीबारी की, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी के बाद, पूरे इलाके को घेर लिया गया और अभियान को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेजा गया। घने जंगल में तलाशी अभियान जारी है।

सूत्रों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के आतंकवादियों का एक समूह इलाके में फंसा हुआ है। हालांकि, आतंकवादियों की पहचान और संख्या के बारे में आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और अभियान आगे बढ़ने पर और जानकारी साझा की जाएगी।

राजनीतिक जगत में शोक की लहर, 71 साल की उम्र में पूर्व भाजपा नेता का हुआ निधन

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता राज पुरोहित का 71 वर्ष की आयु में निधन मुंबई, 18 जनवरी (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री राज के. पुरोहित का बीमारी के कारण रविवार को 71 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह मुंबई में उत्तर भारतीय समुदायों के मुद्दों को जोर-शोर से उठाने के लिए जाने जाते थे। सूत्रों ने बताया कि शनिवार को मुंबई के एक निजी अस्पताल में पुरोहित ने अंतिम सांस ली। मुंबई भाजपा के प्रमुख चेहरों में से एक पुरोहित पार्टी की मुंबई इकाई के अध्यक्ष रह चुके थे और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री भी रहे थे। इसके अलावा, वह 2014 से 2019 तक विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक थे। पुरोहित को एक समय मुंबई भाजपा के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक माना जाता था, उनका दक्षिण मुंबई में खासा प्रभाव था। पुरोहित को 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया गया था।

पार्टी नेताओं ने कहा कि उनके निधन के कारण महाराष्ट्र ने एक दिग्गज राजनीतिक और सामाजिक विद्वान खो दिया है, जिनका जमीनी स्तर पर लोगों से गहरा जुड़ाव था। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्हें पुरोहित के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। तावड़े ने 'एक्स' पर लिखा, 'मुंबई नगर

निगम के पार्षद, विधानसभा सदस्य और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रहे मेरे दोस्त राज पुरोहित एक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि थे, जिनका लोगों से गहरा जुड़ाव था।' उन्होंने कहा कि पुरोहित को मुंबई में रहने वाले प्रवासी किरायेदारों का सबसे बड़ा 'मसीहा' माना जाता था और उन्होंने उनके उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

तावड़े ने कहा, 'उनका निधन महाराष्ट्र भाजपा के साथ-साथ मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक अपूरणीय क्षति है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वह उनकी आत्मा को शांति और शोक संतप्त परिवार व समर्थकों को संबल प्रदान करें।' हाल ही में संपन्न हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव में, राज पुरोहित के बेटे और भाजपा नेता आकाश पुरोहित ने वार्ड संख्या 221 से जीत हासिल की।

पोलैंड के उपप्रधानमंत्री ने कहा- जंग में मजबूती से डटे रहें यूक्रेन के लोग

रूस-चीन नज़दीकी पर दी चेतावनी

वारसॉ **(एजेंसी)**। पोलैंड के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की ने यूक्रेन के लोगों से अपील की है कि वे कठिन हालात के बावजूद मजबूती बनाए रखें और अपनी संस्कृति व स्वतंत्रता की रक्षा करते रहें। वह रविवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) में 'संकट में एक महाद्वीपः रूस, यूक्रेन और यूरोप' सत्र को संबोधित कर रहे थे। लेखिका ऐन एप्पलबाम और पूर्व राजनयिक नवतेज सरना के साथ बातचीत में सिकोरस्की ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरे यूरोपीय महाद्वीप की स्थिरता को झकझोर दिया है। उन्होंने बताया कि हजारों लोगों की मौत, शहरों का विनाश और भीषण सर्दी में बिजली-पानी के बिना जीवन जीने को मजबूर नागरिक इस युद्ध की भयावह सच्चाई हैं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की रणनीति पर सवाल उठाते हुए सिकोरस्की ने कहा कि जिसे रूस ने तीन दिन का 'विशेष सैन्य अभियान' समझा था, वह वर्षों लंबी जंग में बदल गया है। इस संघर्ष में रूस को भारी सैन्य और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है और अरबों डॉलर युद्ध पर खर्च हो रहे हैं।रूस-चीन संबंधों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि चीन पर बढ़ती आर्थिक निर्भरता रूस के दीर्घकालिक हित में नहीं है और यह भविष्य में उसे कमजोर कर सकती है। यूरोपीय सुरक्षा और नाटो पर बोलते हुए सिकोरस्की ने कहा कि अब यूरोप को अपनी रक्षा क्षमताएं स्वयं मजबूत करनी होंगी।

पोलैंड सहित कई देशों ने रक्षा बजट बढ़ाया है और यूक्रेन को सैन्य सहायता दी है। उन्होंने बताया कि पोलैंड यूक्रेन को लड़ाकू विमान देने वाले शुरुआती देशों में शामिल रहा है। यूक्रेनी शरणार्थियों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि लाखों लोग पोलैंड आए हैं, जिससे आर्थिक और सामाजिक दबाव बढ़ा है, फिर भी मानवीय आधार पर हर संभव सहायता दी जा रही है।उन्होंने यह भी याद दिलाया कि यूक्रेन ने कभी दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा परमाणु शस्त्रागार सुरक्षा गारंटी के बदले छोड़ा था, लेकिन आज उसकी क्षेत्रीय अखंडता पर हमला हो रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय भरोसे पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

ट्रंप की धमकी पर ब्रिटिश पीएम भड़के

बोले- यूरोप पर दबाव पूरी तरह गलत, ग्रीनलैंड सिर्फ डेनमार्क का

लंदन **(एजेंसी)**। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और यूरोप के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी की कड़ी आलोचना की है, जिसमें उन्होंने ग्रीनलैंड न बेचने पर यूरोपीय देशों पर भारी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। स्टारमर ने इस कदम को 'पूरी तरह गलत' करार दिया। प्रधानमंत्री स्टारमर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि ग्रीनलैंड डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा है और उसका भविष्य तय करने का अधिकार केवल ग्रीनलैंड के लोगों और डेनमार्क को है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा पूरे नाटो गठबंधन का विषय है और रूस से उत्पन्न खतरे का सामना सभी सहयोगियों को मिलकर करना चाहिए। स्टारमर ने कहा, 'नाटो की सामूहिक सुरक्षा के लिए काम कर रहे सहयोगी देशों पर टैरिफ लगाना पूरी तरह गलत है। ब्रिटेन इस मुद्दे को अमेरिकी प्रशासन के साथ सीधे उठाएगा।'

दरअसल, राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को दावा किया था कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड का नियंत्रण जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर डेनमार्क और अन्य यूरोपीय देश ग्रीनलैंड बेचने पर सहमत नहीं होते, तो 1 फरवरी 2026 से 10 प्रतिशत और 1 जून 2026 से 25 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए जाएंगे।

ट्रंप ने अपने बयान में डेनमार्क, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन, नीदरलैंड और फिनलैंड का नाम लेते हुए कहा कि चीन और रूस की बढ़ती दिलचस्पी के कारण ग्रीनलैंड अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। हालांकि, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज करते हुए आत्मनिर्णय के अधिकार पर जोर दिया है। इस बीच, कई यूरोपीय देशों ने ग्रीनलैंड में सीमित सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है, जिससे नाटो के भीतर तनाव और गहराने की आशंका जताई जा रही है।

ट्रंप की धमकी पर ईयू का करारा जवाब-'ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं'

नुउक **(एजेंसी)**। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों पर यूरोपीय संघ ने खुलकर विरोध दर्ज कराया है। यूरोपीय संसद की अध्यक्ष रोबर्टा मेटसोला ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है और उसकी संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। मेटसोला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'यूरोपीय संघ डेनमार्क और ग्रीनलैंड के लोगों के साथ एकजुट है। नाटो सहयोगियों के खिलाफ उठाए गए ये कदम आर्कटिक सुरक्षा को मजबूत नहीं करेंगे, बल्कि हमारे साझा दुश्मनों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। ग्रीनलैंड और डेनमार्क दोनों ने साफ कर दिया है ग्रीनलैंड न बिकेगा और न ही किसी दबाव में आएगा।'

दरअसल, ट्रंप ने घोषणा की है कि यदि यूरोपीय देश ग्रीनलैंड को अमेरिका को बेचने पर सहमत नहीं होते, तो 1 फरवरी 2026 से 10इ और 1 जून 2026 से 25इ तक टैरिफ लगाए जाएंगे। यह टैरिफ डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड और फिनलैंड पर लागू करने की चेतावनी दी गई है। इस घटनाक्रम के बीच ईयू और अमेरिका के बीच जुलाई 2025 में घोषित ट्रेड डील की पुष्टि प्रक्रिया को भी फिलहाल रोक दिया गया है।

यूरोपीय पीपुल्स पार्टी के उपाध्यक्ष सिगफ्राइड मुरेसान ने कहा कि मौजूदा हालात में इस समझौते पर आगे बढ़ना संभव नहीं है।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी ट्रंप की धमकियों को 'अस्वीकार्य' बताया और कहा कि फ्रांस, ग्रीनलैंड और यूक्रेन की संप्रभुता की रक्षा के लिए किसी भी दबाव से नहीं डरेगा।यूरोपीय नेताओं का मानना है कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका का यह रवैया न केवल ईयू-यूएस संबंधों बल्कि नाटो की एकता के लिए भी गंभीर चुनौती बन सकता है।

ताइवान में बड़ा जासूसी खुलासा

टीवी पत्रकार और 5 सैन्य अधिकारी गिरफ्तार, चीन को भेज रहे थे गुप्त राज

ताइपे **(एजेंसी)**। ताइवान में एक पत्रकार को मुख्यभूमि चीन के लोगों को सैन्य जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोपों में शनिवार को हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वशासित द्वीप ताइवान चीन की संभावित घुसपैठ के खिलाफ सख्ती बढ़ा रहा है। ताइवान के कियाओतौ जिला अभियोजक कार्यालय ने एक बयान में कहा कि एक जिला अदालत ने लिन उपनाम वाले एक टेलीविजन रिपोर्टर और सेना के पांच वर्तमान व सेवानिवृत्त अधिकारियों की हिरासत का आदेश दिया है। बयान में पत्रकार की पहचान उजागर नहीं की गई, लेकिन सीटीआई टीवी ने अपने रिपोर्टर लिन चेन-यू की हिरासत की पुष्टि की। चैनल ने कहा कि उसे मामले के विवरण की जानकारी नहीं है, लेकिन उसने निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया की मांग करते की है। ताइवान में सरकार और सेना के भीतर जासूसी मामलों की जांच आम है लेकिन पत्रकारों पर इस तरह के आरोप दुर्लभ माने जाते हैं। अभियोजकों का आरोप है कि लिन ने "चीनी व्यक्तियों" को जानकारी देने के बदले वर्तमान सैन्य अधिकारियों को कुछ हजार से लेकर दस हजार ताइवानी डॉलर तक के कई भुगतान किये। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि वे चीनी व्यक्ति कौन थे या उनका चीनी सरकार से कोई संबंध था या नहीं।

एशिया में बढ़ा युद्ध का खतरा

ताइवान पर हमले की तैयारी में चीन! पीएलए के 'डिकैपिटेशन ड्रिल' ने बढ़ाई टेंशन

ताइपे **(एजेंसी)**। चीन और ताइवान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। चीनी विशेष बलों ने हाल ही में एक हाई-प्रोफाइल 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' अभ्यास किया, जिसमें ताइवान के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व को पकड़ने या खत्म करने का सिमुलेशन शामिल था। इस ड्रिल को बीजिंग की ओर से सीधा और सख्त संदेश माना जा रहा है। इसी पृष्ठभूमि में ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 9 विमान और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के 9 युद्धपोत ताइवान के आसपास सक्रिय पाए गए। इनमें से तीन चीनी विमान ताइवान की एडीआईजेड में घुस आए और मध्य रेखा पार की।

एमएनडी के अनुसार, एक दिन पहले शनिवार को स्थिति और अधिक गंभीर रही, जब 26 पीएलए विमान, 8 नौसैनिक पोत और एक आधिकारिक जहाज ताइवान के आसपास देखे गए। इनमें से 7 विमान ताइवान के उत्तरी, मध्य और दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में दाखिल हुए।इसके अलावा, एक चीनी सैन्य ड्रोन को भी ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में प्रवेश करते हुए देखा गया, जिसे रेडियो चेतावनी के बाद वापस लौटना पड़ा। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि वह देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि चीन को ताइवान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी और सशस्त्र बल पूरी तरह सतर्क हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' जैसे अभ्यास केवल सैन्य दबाव नहीं, बल्कि राजनीतिक नेतृत्व को डराने और सत्ता परिवर्तन का संकेत भी हो सकते हैं, जिससे पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ने का खतरा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।